हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 65 ● भिलाई, शनिवार 26 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### ओडिशा के मलकानगिरी में भारी बारिश का कहर, कई पुलों को नुकसान

**मलकानगिरी ।** समुद्र में बने गहरे अवदाब के प्रभाव से ओडिशा के दक्षिणी और तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश का दौर जारी है। मलकानगिरी जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई प्रमुख मार्गों पर बाढ़ का पानी भर गया है। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-326 पर स्थित चार पुल पानी में डूब गए हैं। इन पुलों के ऊपर दो से तीन फीट तक पानी बह रहा है, जिससे कई इलाकों का आपसी संपर्क टूट गया है। गहरे अवदाब का असर उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। तेज बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए हैं। कुछ स्थानों पर पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। मलकानगिरी में पोटेरू, कांकुरुकोंडा, एमवी-96 और एमवी-90 पुलों पर बाढ़ का पानी आ जाने से यातायात बाधित हो गया है।

### आसमान में साढ़े 3 घंटे चक्कर काटने के बाद ट्रेनी विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

**अजमेर।** राजस्थान के अजमेर जिले स्थित किशनगढ़ एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा होने से टल गया। अव्यान विमानन अकादमी के एक प्रशिक्षु विमान के टायर में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट पर तत्काल पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। विमान में एक प्रशिक्षक और एक प्रशिक्षु पायलट सवार थे। एयरपोर्ट निदेशक बी.एल. मीणा के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही उसके टायर में खराबी और क्षति होने की सूचना मिली। विमान में उस समय पर्याप्त मात्रा में ईंधन मौजूद था। ऐसे में तत्काल उसे उतारना जोखिम भरा हो सकता था।

### आया राम, गया राम' पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, दानम नागेंद्र की अयोग्यता बरकरार

**नई दिल्ली ।** सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के खैरातबाद से विधायक रहे दानम नागेंद्र की उस याचिका पर राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए उनकी अयोग्यता बरकरार रखी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई की। नागेंद्र की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी पेश हुए। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने नागेंद्र के मामले को 'आया राम, गया राम' से जोड़ते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा कि क्या यह 'आया राम, गया राम, फिर आया राम' वाला मामला है। यह मुहावरा बार-बार राजनीतिक दल बदलने वाले नेताओं के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है।

**महानदी बौराई -राजिम में कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर का चबूतरा डूबा**

# 72 घंटे की मूसलाधार बारिश के बीच जनजीवन अस्त-व्यस्त...

राजिम। संवाददाता

समूचे राजिम क्षेत्र में पिछले 72 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते खेत-खलिहान, निचले इलाके और नदी-नालों में पानी भर गया है। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। इसी बीच जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी ने महानदी के जलस्तर को और बढ़ा दिया है। राजिम में महानदी की धार इस समय उफनती हुई दिखाई दे रही है और संगम क्षेत्र में पानी का फैलाव दूर तक नजर आ रहा है। महानदी की धार देर शाम को कुलेश्वर मंदिर के चबूतरे तक चढ़ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गंगरेल जलाशय से लगभग 3 लाख क्यूसेक पानी महानदी में छोड़ा गया है। वहीं सिकासार जलाशय से करीब 20 हजार क्यूसेक पानी पैरी नदी में छोड़ा गया है। सोंढूर क्षेत्र से भी 42 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने की जानकारी है। विभिन्न जलस्रोतों से निकल रहा यह पानी राजिम पहुंचकर महानदी में समाहित हो रहा है। इससे राजिम में पानी की आवक बेहद तेज बनी हुई है और नदी का प्रवाह लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। महानदी के ऊफान का सबसे स्पष्ट असर त्रिवेणी संगम क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर चारों तरफसे पानी से घिर गया है। मंदिर के आसपास का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो चुका है और मंदिर का आधे से अधिक हिस्सा पानी में डूबा

नजर आ रहा है। सामान्य दिनों में जहां श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियां दिखाई देती हैं, वहीं इस समय वहां चारों ओर पानी की विशाल धार दिखाई दे रही है। संगम क्षेत्र का नजारा समुद्र की तरह दिखाई देने लगा है। लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच महानदी की तेज धार लोगों को सतर्क कर रही है। प्रशासन और स्थानीय लोगों की नजर अब लगातार नदी के जलस्तर तथा जलाशयों से होने वाली पानी की आवक पर बनी हुई है। यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहा और जलाशयों से पानी छोड़ा जाता रहा तो नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। राजिम की पहचान त्रिवेणी संगम और धार्मिक नगरी के रूप में है। यहां महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का संगम होता है। ऐसे में आसपास के जलाशयों और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाला पानी राजिम में एक साथ पहुंचने से संगम क्षेत्र में जलस्तर तेजी से प्रभावित होता है। वर्तमान स्थिति में नदी का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच सबसे जरूरी सावधानी यही है कि लोग नदी, घाट और जलमग्न क्षेत्रों के नजदीक जाने से बचें। खासकर संगम क्षेत्र में तेज बहाव को देखते हुए अनावश्यक रूप से नदी किनारे पहुंचना खतरे से खाली नहीं है।

### सिकासार जलाशय के सभी 12 गेट खोले गए

गरियाबंद। गरियाबंद जिले और आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के बीच प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जल संसाधन संभाग के अधीक्षण अभियंता के मुताबिक, 25 सितंबर की स्थिति के अनुसार जिले के सिकासार जलाशय में कुल भंडारण क्षमता 198.82 मिलियन घन मीटर के मुकाबले 179.28 मिलियन घन मीटर पानी संग्रहित है। जलाशय का वर्तमान जलस्तर 1330.00 फीट दर्ज किया गया है, जो 89.32 प्रतिशत जलभराव के बराबर है। जल की बढ़ती आवक को देखते हुए सिकासार जलाशय के 12 गेट खोले गए हैं और प्रत्येक गेट 3 फीट तक खोला गया है। जलाशय से वर्तमान में लगभग 20,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि जलाशय में 34,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है। शुक्रवार की सुबह मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अन्य प्रमुख जलाशयों में भी जलभराव की स्थिति ऊंची बनी हुई है।

**ज्ञानेश कुमार पर बोला हमला**

# गद्दारों को पहला जूता मैं ही मारूंगा-संजय राउत..

**नई दिल्ली।** शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला है। मीडिया से बातचीत करते हुए राउत ने कहा कि आज का भारत अब वो पुराना भारत नहीं रहा, जो जंतर-मंतर के दौर में खामोश रहता था। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई 'बेहोशी की दवा' से बाहर निकल चुका एक जागृत भारत है। आज का युवा अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतर रहा है और हम पूरी मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। संजय राउत ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव प्रणाली को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। अभिजीत दिपके द्वारा चुनाव आयुक्त के खिलाफ उठाए गए कदम और दिए गए अल्टीमेटम का समर्थन करते हुए राउत ने कहा कि यह लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की है।

**छत्तीसगढ़ में दर्दनाक हादसा**

# डीजे वाहन को ट्रक ने मारी टक्कर,5 युवकों की मौत 5 युवक घायल-उनकी हालत गंभीर बताई जा रहा है

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के बालोद में शुक्रवार को नेशनल हाइवे-30 पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई. मरकाटोला घाट के पास डीजे से बंधी पिकअप और ट्रक में भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक सड़क पर ही पलट गई, जबकि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. इसी मार्ग पर पिछले महीने मुंबई की बाइक राइडर रिद्धि ठक्कर (24 साल) ने सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को नेशनल हाइवे के मरकाटोला घाटी पर डीजे से बंधी पिकअप खड़ी हुई थी, इस दौरान तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी. पिकअप में करीब 10 युवक सवार थे. तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर में पिकअप

सवार युवक और ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए. भीषण हादसे में 2 युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 3 की इलाज के दौरान मौत हो गई. वहीं अन्य 5 युवकों का इलाज जारी है, उनकी हालत गंभीर बताई जा रहा है. डॉक्टरों की निगरानी में घायलों का इलाज जारी है. सड़क पर वाहनें क्षतिग्रस्त होने से आवागमन बाधित रहा. सूचना पर पुरुर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. हादसे के कारणों की जांच की जा रही है. एडिशनल एसपी चन्द्रकान्त गवर्ना ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना पर पुलिस टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया. इस हादसे में 5 युवकों की मौत हुई है. 5 युवक घायल है, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है. हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है. मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है. बता दें कि नेशनल हाइवे-30 पर मरकाटोला घाटी लगातार हादसे का स्पॉट बना हुआ है. पिछले महीने अगस्त में इसी मार्ग पर मुंबई की बाइक राइडर रिद्धि ठक्कर की सड़क हादसे में मौत हो गई थी. उनका बाइक ग्रुप बस्तर जाने के लिए निकला था. एक बार फिर भीषण दुर्घटना ने सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

**मेक इन इंडिया के 12 साल, पीएम मोदी बोले**

# भारत में ज्यादा उत्पादन,निवेश हर सेक्टर में आया बदलाव....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर 2014 को देश में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने और देश को दुनिया का बड़ा प्रोडक्शन सेंटर बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' अभियान की शुरुआत की थी। आज इस अभियान को 12 साल पूरे हो गए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि इससे भारत के कई सेक्टर्स में बड़ा बदलाव आया है और देश के निर्यात और निवेश में भी इजाफा हुआ है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, भारत में ज्यादा उत्पादन, भारत में ज्यादा निवेश, भारत से ज्यादा निर्यात। हर सेक्टर में बदलाव साफ

दिख रहा है। मेक इन इंडिया आने के बाद से भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन लगभग सात गुना बढ़ गया है, जो 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, देश में बने डिफेंस उत्पादों की वैल्यू 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गई है। भारत को मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और इनोवेशन के लिए ग्लोबल हब बनने के मकसद से 25 सितंबर 2014 को 'मेक इन इंडिया' शुरू किया गया था। आज यह पहल 27 सेक्टर में लागू है, जिनमें 15 मैन्युफैक्चरिंग और 12 सर्विस सेक्टर शामिल हैं। मेक इन इंडिया की लागू अवधि में देश का इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन में मोबाइल-फोन का प्रोडक्शन लगभग 33 गुना बढ़कर 18,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 6.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। वॉल्यूम के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला देश है।

### गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत

**राजकोट।** गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के बीच गुजरात के राजकोट में उस समय मातम पसर गया, जब गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक ही परिवार के तीन सदस्यों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में पिता-पुत्र और उनका भतीजा शामिल हैं। हादसा कुवाडवा-वांकानेर मार्ग पर खोडियार माता मंदिर के पास स्थित जलाशय में बुधवार शाम हुआ। जानकारी के अनुसार, रणपुर रोड स्थित शिवधारा रेजीडेंसी की गली नंबर-6 में रहने वाले चौहान परिवार के सदस्य गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए खोडियार माता मंदिर के पास पहुंचे थे। पारंपरिक रूप से प्रतिमा विसर्जन के दौरान धीरूभाई, उनके पुत्र नयनभाई और भतीजे नरेंद्र धीरूभाई पानी में उतरे।

**एसआईआर के फैसलों को गैरकानूनी घोषित करने की मांग**

# सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायार...

नई दिल्ली/ एजेंसी

वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग में मतभेद पर 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद से देश में कोहराम मचा हुआ है. विपक्ष इसे लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमलावर है. विपक्ष ज्ञानेश कुमार को हटाने और गिरफ्तार करने की मांग कर रहा है. इस बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कथित एकतरफा फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की हुई है. इसमें विवादित

सभी फैसलों को निरस्त करने की मांग की गई है. शैलेंद्र मणि त्रिपाठी नाम के वकील की तरफसे दाखिल याचिका में ज्ञानेश कुमार समेत दूसरे अधिकारियों पर उपयुक्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी की गई है. याचिका में अनुरोध किया गया है, आधिकारिक कर्तव्यों का जानबूझकर उल्लंघन करने के दोषी पाए गए सभी अधिकारियों के खिलाफजन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत शिकायतें दर्ज करें और मुकदमा शुरू करें. याचिका में कहा गया है कि ज्ञानेश कुमार पर जो आरोप है उसमें उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग में एकतरफा फैसले लिए. इनमें 'फॉर्म 6 में गैर-क़ानूनी बदलाव, वोटर लिस्ट के डेटा का केंद्रीकरण और अन्य दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद लिए गए फैसले शामिल हैं. याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन फैसलों की वजह से योग्य मतदाता सूची से बाहर हो गए.

**ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल**

# दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ तक कांग्रेस का सड़क संग्राम किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग में मतभेद पर 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद से देश की राजनीति में कोहराम मचा हुआ है। पूरा विपक्ष इसे लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमारऔर मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष ज्ञानेश कुमार को हटाने और गिरफ्तार करने की मांग कर रहा है। शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने पूरे देश में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता ल: दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ , कोलकाता, हैदराबाद से लेकर गुवाहाटी और लखनऊ से लेकर पटना तक सड़क पर निकलकर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को बरसते पानी में कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन कार्यालय का घेराव करने के साथ ही पुतला दहन भी किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने निर्वाचन कार्यालय के आसपास कई लेयर में बैरिकेडिंग की थी, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता तीन बैरिकेड तोड़कर कार्यालय के करीब पहुंच गए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झूमाझटकी भी हुई। वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। गुवाहाटी, लखनऊ, देहरादून, चंडीगढ़, कोलकाता और मणिपुर में एक

साथ विरोध हुआ। गुवाहाटी में गौरव गोगोई ने प्रदर्शन की अगुवाई की। मणिपुर के इंफाल में हालात तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। जम्मू में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन भवन का घेराव किया। बड़ी संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पूरे प्रदर्शन की अगुवाई जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रभारी नासिर हुसैन ने की।मणिपुर के इंफाल में स्थिति सबसे ज्यादा तनावपूर्ण रही. यहां चुनाव आयोग के मुख्य कार्यालय के सामने प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दफ्तर के अंदर घुसने की कोशिश की। इसे रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं दिल्ली में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन यूथ कांग्रेस के हेड क्वार्टर से शुरू हुआ और धीरे धीरे आगे बढ़ता गया। कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और हाथों में झंडे और पोस्टर लेकर नारेबाजी करते नजर आए। लखनऊ से तेज बारिश के बावजूद कांग्रेस पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया।

### पटना में कांग्रेस का हल्लाबोल, पुलिस को करना पड़ा वाटर कैनन का इस्तेमाल

ज्ञानेश कुमार के इस्तेफे की मांग की मांग को लेकर कांग्रेस ने बिहार की राजधानी पटना में बड़ा आंदोलन किया। पटना मेंविधानसभा के बाहर तनाव भरा माहौल देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया। विधानसभा गेट के बाहर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। कुछ प्रदर्शनकारी जमीन पर बैठकर धरना देने लगे और वहां से हटने को तैयार नहीं हुए।

# राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

## शिविर में 612 मरीजों को मिली आयुष स्वास्थ्य सेवाएं, विशेषज्ञों ने आहार-विहार, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली पर दी जानकारी

**गरियाबंद।** सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला मुख्यालय गरियाबंद के मंगल भवन, गांधी मैदान, में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव उपस्थित थे। इस अवसर पर आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आईटीएस नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं नागरिक गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने कहा कि आयुर्वेद हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति होने के साथ स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की समग्र पद्धति है। उन्होंने कहा कि उचित खान-पान, नियमित दिनचर्या, योग एवं प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाकर स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रवीण चंद्राकर ने बताया कि आयुर्वेद स्वस्थ जीवनशैली एवं निरोगी जीवन के लिए उपयोगी है। उन्होंने बताया कि आयुष विभाग द्वारा आमजन तक आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। ग्यारहवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं योग विशेषज्ञों ने आयुर्वेद, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। डॉ. अमित चंद्रवंशी ने आहार-विहार, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के महत्व के बारे में बताया। डॉ. वर्षा रात्रे ने सुप्रजा योजना तथा गर्भावस्था के दौरान उचित आहार-विहार की जानकारी दी। जिले की योग चिकित्सक डॉ. शिखा कुरेटी ने योग, प्राणायाम एवं ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रिया वर्मा ने आयुर्वेद के इतिहास, विकास एवं वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी। शिविर प्रभारी डॉ. राजकुमार कनौजे ने जिले में संचालित विभिन्न आयुष योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आयुष स्वास्थ्य शिविर में जिले के आयुर्वेद एवं होम्योपैथी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को चिकित्सीय परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। शिविर में कुल 612 मरीज लाभान्वित हुए। मरीजों की सुविधा के लिए पैथोलॉजी जांच एवं नेत्र परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

# 125 करोड़ का सरकारी कैंसर अस्पताल को भाजपा सरकार ने बनने से पहले ही बेचा: विनोद चंद्राकर

## गरीबों के इलाज को नीलाम कर रही है साय सरकार

**महासमुंद।** प्रदेश की भाजपा सरकार सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से निजी कार्पोरेट के हाथों में बेचने पर तुली हुई है। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने इसे सरकारी मनमानी व गरीब विरोधी नीति का प्रमाण बताते हुए कहा कि बिलासपुर में बन रहा प्रदेश का पहला सरकारी कैंसर अस्पताल अभी शुरू भी नहीं हुआ और सरकार ने उसे निजी हाथों में सौंपने का फैसला कर लिया है। यह गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों के साथ धोखा है। चंद्राकर ने कहा कि 125 करोड़ रुपये की लागत से यह अस्पताल तैयार हो रहा है, जिसमें 70 करोड़ रुपये केंद्र सरकार का अंश है। अस्पताल का 90 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसमें 289 पदों पर सरकारी डॉक्टरों और कर्मचारियों की भर्ती की जानी थी। पहले तय हुआ था कि सिम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा इसका संचालन किया जाएगा और प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर तथा असिस्टेंट प्रोफेसर के पद भरे जाएंगे। लेकिन, अब भाजपा की सरकार ने उन सभी भर्तियों को रद्द कर दिया है और सिम्स के डॉक्टरों को भी हटा दिया है। इसे पीपीपी मॉडल के नाम पर निजी कंपनी को सौंपा जा रहा है। जिसका सीधा मतलब है कि सुविधाएं तो सरकारी होंगी लेकिन शुल्क निजी अस्पतालों की तरह वसूला जाएगा। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के इलाज करने में जहां पहले से ही गरीब परिवार कर्ज में डूब जाता है, वहां अब सरकारी अस्पताल में भी उसे लूटा जाएगा। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। इसके पहले 11 मंजिला नवनिर्मित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को भी इसी तरह निजी हाथों में दे दिया गया। प्रदेश भर के जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की लैब को निजी कंपनियों को सौंप दिया गया है। जहां गरीबों से जांच के नाम पर मनमानी वसूली हो रही है। सरकार धीरेङ्घधीरे स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह आउटसोर्स कर रही है। चंद्राकर ने आरोप लगाया कि निजीकरण भाजपा का मॉडल बन गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, कोयला खदानें, बिजली कंपनियां, एलआईसी और बैंकों तक को अपने चहेते उद्योगपतियों को सौंप दिया है। उसी रास्ते पर छत्तीसगढ़ की साय सरकार चल रही है। सरकारी स्कूलों को युक्तियुक्तकरण के नाम पर बंद करना, राशन दुकानों को कम करना और अब अस्पतालों को बेचना यह साबित करता है कि यह सरकार जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा बेचने की चीज नहीं है, यह सरकार का संवैधानिक दायित्व है। छत्तीसगढ़ की जनता सरकार की जनविरोधी नीति, तानाशाही रवैये को देख व समझ रही है, जिसका करारा जवाब 2028 में भाजपा को देगी।

# नहरनाका से जवरगांव मोड तक फोरलेन सड़क निर्माण के लिए 68 करोड़ की स्वीकृति

**धमतरी।** धमतरी में विकास की रफ्तार साय साय लगातार तेज होती जा रही है। शहर को गाँव से जोड़ना और आसपास के क्षेत्रों को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी देने की दिशा में एक के बाद एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाएं सामने आ रही है। इसी कड़ी में नहर नाका से जवरगांव मोड़ तक करीब 68 करोड़ रुपये की लागत से फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली है। यह फ़ोरलेन पूर्व में सिहावा चौक से नहर नाका तक स्वीकृत हुई थी अब इस सड़क की लागत कुल 129 करोड़ हो गई इस सड़क के निर्माण से धमतरी शहर से जवरगांव क्षेत्र तक आवागमन सुगम होने के साथ ही यातायात का दबाव भी कम होगा। महापौर रामू रोहरा ने इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा एवं सांसद रूपकुमारी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कलेक्टर अविनाश मिश्रा, लोक कर्म विभाग के ई ई चहल द्वारा भी अथक प्रयास किया जा रहा है।धमतरी को आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर सड़क नेटवर्क वाला शहर बनाना उनकी प्राथमिकता है। आने वाले समय में शहर के चारों दिशाओं में फोरलेन सड़कों का विस्तार होने से धमतरी की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेंगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें केवल आवागमन को आसान नहीं बनातीं, बल्कि व्यापार, रोजगार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देती हैं। उन्होंने कहा कि नहर नाका से जवारगांव तक फोरलेन सड़क बनने से इस क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। शहर के बढ़ते यातायात और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए चौड़ी और व्यवस्थित सड़कों का निर्माण समय की आवश्यकता है। सरकार के सहयोग से धमतरी में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है और आने वाले दिनों में कई बड़ी परियोजनाएं धरातल पर दिखाई देंगी। महापौर ने कहा कि धमतरी को चारों दिशाओं से फोरलेन सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य अब धीरे-धीरे साकार होता दिखाई दे रहा है। शहर में सड़क, पानी, नाली, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की विकासोन्मुखी सोच और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से धमतरी को एक आधुनिक शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

# गणेश विसर्जन और त्योहारों से पहले धमतरी पुलिस का बदमाशों पर शिकंजा

**धमतरी।** गणेश विसर्जन झांकी एवं आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने धमतरी पुलिस ने असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त तत्वों खिलाफ निगरानी और चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। सिटी कोतवाली, अर्जुनी और रूद्री थाना क्षेत्र के गुंड्रा, निगरानी एवं माफी बदमाशों को थाने बुलाकर उनकी परेड कराई गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीसी पटेल एवं डीएसपी साइबर भानूप्रताप चंद्राकर के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारियों ने बदमाशों से व्यक्तिगत चर्चा कर उन्हें अपराध और नशे से दूर रहने की समझाइश दी। साथ ही सभी को नशे एवं अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि अथवा अशांति फैलाने में संलिप्त पाए जाने पर कड़ी वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि यदि संबंधित व्यक्तियों के आचरण में लगातार सुधार रहता है और वे समाज में शांतिपूर्ण एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में वन व्यतीत करते हैं, तो नियमानुसार उनके निगरानी संबंधी रिकॉर्ड में सुधार की कार्रवाई की जा सकती है। आगामी त्योहारों को देखते हुए धमतरी पुलिस ने संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग बढ़ाने की तैयारी की है। अड्डेबा, लड़ाई-झगड़ा, चाकूबा और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर विशेष नजर रखी जाएगी। थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रभावी प्रतिबंधात्मक एवं माइनर एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने कहा है कि त्योहारों के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ लगातार निगरानी, चेकिंग और आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में डीएसपी साइबर भानूप्रताप चंद्राकर, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जगत सहित सिटी कोतवाली, अर्जुनी एवं रूद्री थाना के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों का योगदान रहा।

# भाजपा का सेवा संकल्प नहीं, देश को ढगने का प्रकल्प है: आलोक चंद्राकर

**महासमुंद।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के नाम पर भाजपा द्वारा 17 सितंबर से शुरू किए गए एक माह के 'सेवा संकल्प' अभियान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महासचिव आलोक चंद्राकर ने तीखा हमला बोला है।आलोक चंद्राकर ने कहा कि यह सेवा संकल्प नहीं, बल्कि जनता की गाढ़ी कमाई से अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने और जनता को ठगने का सुनियोजित प्रकल्प है।उन्होंने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ भीषण महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। युवाओं को प्रतिवर्ष रोजगार का वादा खोखला साबित हुआ है, जिससे प्रदेश का शिक्षित युवा दर-दर भटकने को मजबूर है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली सरकार ने खाद, बीज और डीजल के दाम बढ़ाकर खेती की लागत कई गुना बढ़ा दी है। अपनी विफलताओं का जवाब देने के बजाय भाजपा एक महीने तक आत्म-प्रशंसा और उत्सव मनाने में लगी है, जो जनता की पीड़ा का क्रूर मजाक है। भाजपा जिस 25 वर्षों की जनसेवा का ढोल पीट रही है, वह असल में आम जनता के आर्थिक शोषण, गिरती अर्थव्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग की कहानी है। आलोक चंद्राकर ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग पर टैक्स का भारी बोझ लादकर सरकार अपने कॉर्पोरेट मित्रों को लाभ पहुंचा रही है। पूरे छत्तीसगढ़ में विकास कार्य ठप पड़े हैं और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। सरकारी तंत्र और धनबल का दुरुपयोग कर सिर्फ झूठ्य प्रचार किया जा रहा है।

प्रदेश का शत-प्रतिशत वर्ग परेशान और तकलीफ में है।

# सोरिद वार्ड के डिपोपारा में विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

## जनता की जरूरतों के अनुरूप हो रहा विकास : रंजना साहू

**धमतरी।** नगर पालिक निगम धमतरी के सोरिद वार्ड अंतर्गत डिपोपारा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू के करकमलों से विधिवत सम्पन्न हुआ। इस दौरान सामुदायिक भवन में शेड निर्माण, बाउंड्री वॉल, बोर खनन सहित विभिन्न आवश्यक विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में अध्यक्षता नगर पालिक निगम सभापति कौशिल्या देवांगन ने किया। भूमिपूजन के पश्चात रंजना डीपेन्द्र साहू ने वार्डवासियों के साथ बैठकर क्षेत्र के विभिन्न विषयों एवं स्थानीय आवश्यकताओं पर चर्चा की। उन्होंने नागरिकों से उनकी समस्याओं, मूलभूत सुविधाओं तथा वार्ड के विकास से जुड़े विषयों की जानकारी ली और संबंधित विषयों पर आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। साहू ने कहा कि क्षेत्र का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की आवश्यकताओं को समझना और उनके साथ संवाद कर प्राथमिकता तय करना भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सामुदायिक भवन में शेड निर्माण एवं बाउंड्री वॉल से सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। वहीं बोर खनन से क्षेत्र की जल संबंधी आवश्यकता को पूरा करने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान रंजना डीपेंद्र साहू से उपस्थित नागरिकों ने वार्ड के विकास से जुड़े विभिन्न सुझाव भी साझा किए। रंजना डीपेन्द्र साहू ने कहा कि जनता की सहभागिता और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। नगर पालिक निगम सभापति एवं सोरिद वार्ड की पार्षद कौशिल्या देवांगन ने कहा कि डिपोपारा में सामुदायिक भवन में शेड निर्माण, बाउंड्री वॉल, बोर खनन सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन वार्डवासियों के लिए महत्वपूर्ण सौगात है। इन कार्यों से क्षेत्र के नागरिकों को सार्वजनिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। देवांगन ने विकास कार्यों के लिए सहयोग प्रदान करने पर रंजना डीपेन्द्र साहू का आभार व्यक्त करते कहा कि सोरिद वार्ड को सुविधायुक्त एवं व्यवस्थित वार्ड बनाने के लिए नागरिकों की सहभागिता के साथ विकास की प्रक्रिया निरंतर आगे बढ़ाई जाएगी। वार्ड की प्रत्येक आवश्यक समस्या को सामने लाकर उसके समाधान के लिए पूरी गंभीरता से प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर भूमि पूजन कार्यक्रम में पूर्व पार्षद रितेश नेताम, अंकालू राम साहू, पीताम्बर साहू, काशी राम साहू, युवा प्रकोष्ठ पंकज गौतम, बूथ अध्यक्ष चन्द्रहास सेन, राम खिलावन कंवर, रामकुमार साहू, ढेरहा राम साहू, मिलाऊँ राम सिन्हा, कमल सेन, इंद्रेश देवांगन, ढालू राम, रामकुमार रजक, महिला प्रभारी रेखा मांझल, पांचो बाई, कृष्णा बाई, कुमारी ढीमर, लीला बाई, आकाश बाई सहित कार्यकर्ता व वार्डवासीगण, डिपोपारा के नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

# अम्बुजा स्कूल के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय 'नेशनल स्कूल लीडर ऑफद ईयर 2026' अवार्ड के लिए चयनित

**बलौदाबाजार।** शिक्षा के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट नेतृत्व, प्रशासनिक कुशलता और अभूतपूर्व अकादमिक योगदान के लिए अम्बुजा विद्यापीठ, रवान स्कूल के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय जी को राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहद प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। एसोसिएशन ऑफ इंडियन प्रिंसिपल्स द्वारा उन्हें इस वर्ष के गौरवशाली नेशनल स्कूल लीडर ऑफ द ईयर 2026 अवार्ड के नामित किया गया है। संस्था द्वारा आधिकारिक ईमेल भेजकर प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय जी पाण्डेय को इस गौरवशाली चयन की बधाई और आमंत्रण दिया गया है। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय का शैक्षिक एवं शोध करियर अत्यंत समृद्ध रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात शोध पत्रिकाओं में उनके 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके साथ ही, बच्चों के सही परवरिश और मार्गदर्शन पर आधारित उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉजिटिव पैरेंटिंग' भी प्रकाशित हो चुकी है, जिसे शिक्षा जगत और अभिभावकों में काफी सराहा गया है। उनकी इसी उच्च अकादमिक योग्यता और कुशल नेतृत्व क्षमता को देखते हुए इस राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए उनका चयन किया गया है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार और शिखर सम्मेलन का भव्य आयोजन आगामी 10 अक्टूबर 2026 को देश की राजधानी नई दिल्ली में होने जा रहा है। नई दिल्ली के प्रतिष्ठित लोधी रोड स्थित इंडिया हैबिटेट सेन्टर के 'सिल्वर ओक हॉल' में देश भर के चुनिंदा शिक्षाविदों की मौजूदगी में डॉ. संजय कुमार पाण्डेय को सम्मानित किया जाएगा। समारोह के दौरान देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों और डेलीगेट्स का एक विशेष सम्मेलन भी आयोजित किया गया है। इसमें आधुनिक शिक्षा पद्धतियों, स्कूली नेतृत्व और भविष्य के शैक्षिक एजेंडों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

डॉ. संजय कुमार पाण्डेय जी शिक्षा में नवाचार के पक्षधर हैं।

# चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

**धमतरी।** गणेश उत्सव के दौरान भगवान गणेश के प्रति बच्चों की आस्था और उनके भीतर छिपी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सिविल लाइन शिव मंदिर समिति द्वारा गजानंद की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 3 से 10 वर्ष तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी कल्पना के रंगों से भगवान गणेश के सुंदर चित्र बनाए। नन्हे बच्चों ने अपनी-अपनी कल्पना के अनुसार गजानंद के स्वरूप को कागज पर उकेरा। किसी ने गणेश को आकर्षक रंगों से सजाया, तो किसी ने उनके साथ अलग-अलग धार्मिक प्रतीकों और सुंदर आकृतियों को चित्र में शामिल किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।

भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक, शुभता और विघ्नों का नाश करने वाला देवता माना जाता है। गणेश उत्सव बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता और धार्मिक भावनाओं को भी बढ़ावा देता है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में बच्चों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में काव्या निषाद राज, राशि साहू, तनिष्क पैकरा, लावन्या ध्रुव, परी साहू, कान्हा साहू, शिवेष कुशवाहा, दृष्टि सिन्हा, व्याख्या निषाद राज, मिठी, पृथ्वीक, युक्ति ध्रुव, सानू अंगारे और मोक्षिता सिन्हा सहित बच्चों ने सहभागिता की। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ भगवान गणेश की भक्ति, भारतीय संस्कृति और कला से जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं।

# अल्ट्राटेक सीएसआर द्वारा सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित

**बलौदाबाजार।** अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्कर्स के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह प्रशिक्षण 1 मई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक ग्राम सरकीपार स्थित महतारी सदन एवं ग्राम बनढनी के प्रशिक्षण केंद्र में संचालित किया गया। तीन माह तक चले इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सिलाई-कढ़ाई एवं परिधान निर्माण से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत 4 अगस्त 2026 को मुख्य परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान सीएसआर प्रमुख राजेंद्र कुशवाहा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'कौशल विकास महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त यह कौशल प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने काअवसर प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि सभी प्रशिक्षणार्थी अपने कौशल का उपयोग कर न केवल अपनीआय में वृद्धि करेंगी, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगी। उन्होंने सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा प्राप्त कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। यह सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सतत आजीविका संवर्धन की दिशा में अल्ट्राटेक सीएसआर की एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्त कराने में सीएसआर प्रमुख राजेंद्र कुशवाहा, दया वर्मा तथा अल्ट्राटेक संयंत्र प्रबंधन का विशेष योगदान रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### नागपुर से सकुशल बरामद किया गया रायपुर से अगुवा एक वर्षीय बच्चा

**रायपुर।** गुढ़ियारी थाना क्षेत्र से कथित रूप से जबरदस्ती ले जाए गए एक वर्षीय बच्चे को रायपुर पुलिस ने करीब पांच घंटे के भीतर महाराष्ट्र के नागपुर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में आरोपी पवन साहू को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर को एक महिला ने गुढ़ियारी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि पवन साहू उसके घर में घुसा और कथित गाली-गलौज व धमकी के बाद उसके एक वर्षीय बच्चे को अपने साथ ले गया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्चे और आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बच्चे के साथ नागपुर की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद गुढ़ियारी पुलिस की टीम उमरेड, नागपुर के लिए रवाना हुई। पुलिस का दावा है कि करीब पांच घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ लिया गया और उसके कब्जे से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बच्चे को आवश्यक प्रक्रिया के बाद उसकी मां को सौंप दिया। वहीं आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में इस्तेमाल की गई रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक क्रमांक सीजी 04 पीएस 0520 भी जब्त की गई है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

### जमीन धोखाधड़ी में आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** चांपा थाना क्षेत्र में जमीन को भारमुक्त बताकर 49.70 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी हरिशंकर गुप्ता (44) को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। 29.70 लाख का सौदा पुलिस के अनुसार आरोपी ने पोड़ीकला की 4.95 एकड़ जमीन का 29.70 लाख रुपये में सौदा किया था। बाद में इसी जमीन के 9 खसरों की 2.37 एकड़ भूमि दूसरे व्यक्ति को बेचकर रजिस्ट्री करा दी। 20 लाख और लिए शेष जमीन की रजिस्ट्री के लिए आरोपी टालमटोल करता रहा। जांच में जमीन बैंक में बंधक होने की जानकारी सामने आई। इसी तरह चांपा स्थित जमीन-मकान के लिए भी आरोपी ने प्रार्थी के पिता से 20 लाख रुपये लिए थे, जबकि वह संपत्ति भी बैंक में बंधक थी। न्यायिक रिमांड पर भेजा शिकायत पर चांपा पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ और आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

### पानी की बोतल को लेकर विवाद, दो आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** अकलतरा रेलवे स्टेशन के पास पानी की बोतल को लेकर हुए विवाद में युवक से मारपीट कर कैंची दिखाकर धमकाने और मोबाइल-पर्स लेकर फरार होने वाले दो आरोपियों को अकलतरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पानी देने से किया मना पुलिस के अनुसार 15 सितंबर को बिलासपुर निवासी नवीन कुमार झा अकलतरा रेलवे स्टेशन के पास होटल के सामने पान ठेले से पानी खरीदकर फोन-पे से भुगतान कर रहे थे। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और पानी की बोतल मांगने लगे। पानी देने से मना करने पर दोनों युवक प्रार्थी के पीछे गए।

---

**विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में रियल एस्टेट सेक्टर की होगी अहम भूमिका**

# विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप तैयार किया छत्तीसगढ़ अंजोर

- मुख्यमंत्री ने कहा 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में आधुनिक शहरों, गुणवत्तापूर्ण आवास और मजबूत अधोसंरचना पर रहेगा विशेष जोर

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित क्रेडाई छत्तीसगढ़ स्टेटकॉन-2026 'बिल्डिंग विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में रियल एस्टेट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शहरीकरण के साथ प्रदेश में आधुनिक शहरों, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास तथा मजबूत अधोसंरचना की आवश्यकता भी बढ़ रही है। राज्य सरकार रियल एस्टेट सेक्टर के विकास के लिए पारदर्शी व्यवस्था, सरल प्रक्रियाओं और निवेश के अनुकूल वातावरण के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अपना घर प्रत्येक परिवार का सपना होता है। समाज के हर वर्ग की आकांक्षा होती है कि उसके पास सुरक्षित और सुविधाजनक आवास हो। पिछले पौने तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट सेक्टर ने तेजी से प्रगति की है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में बढ़ते निवेश, औद्योगिकीकरण, बेहतर कनेक्टिविटी और नए शहरी केंद्रों के विकास के साथ इस क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों से कहा कि वे प्रदेश के विकास में भागीदार बनें और गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के निर्माण में योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट 'छत्तीसगढ़

अंजोर' तैयार किया है। राज्य ने अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने की अपार क्षमता है। प्रदेश का लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। यहां प्रचुर खनिज संपदा, पर्याप्त बिजली और जल संसाधन उपलब्ध हैं। देश के प्रमुख क्षेत्रों से प्रदेश की कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हो रही है और यहां के मेहनतकश लोग हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' केवल एक कहावत नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों की सरलता, परिश्रम और सामर्थ्य की पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्य करने के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री की कार्यशैली को निकट से देखा है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत आधुनिक अधोसंरचना, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और जनकल्याण के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने देश के करोड़ों परिवारों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में भी बड़ा परिवर्तन दिखाई दे रहा है और पक्के आवास तेजी से ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों के लिए भी आवास बनाए जा रहे हैं।

---

# छत्तीसगढ़ में मानसून का मिलाजुला असर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 23 सितंबर 2026 तक के बारिश के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में मानसून का प्रभाव मिला-जुला देखने को मिल रहा है। राज्य में 1 जून से अब तक औसतन 1017.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो कि पिछले 10 वर्षों की औसत बारिश (1067.6 मिमी) का 95.3 प्रतिशत है। प्रदेश भर में औसतन स्थिति सामान्य के करीब नजर आ रही है, लेकिन जिलों के अनुसार आंकड़ों का विश्लेषण करें तो राज्य के अलग-अलग हिस्सों में वर्षा की भारी असमानता साफ दिखाई देती है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में इस वर्ष रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। जिले में अब तक 1504.5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो औसत का 167.9 प्रतिशत है। इसके अलावा सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 135.0 प्रतिशत, रायपुर में 123.9 प्रतिशत, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 122.0 प्रतिशत, महासमुंद में 118.7 प्रतिशत, गरियाबंद में 116.2 प्रतिशत, सूरजपुर में 110.1 प्रतिशत, नारायणपुर में 109.7 प्रतिशत, मुंगेली में 107.8 प्रतिशत, बालोद में 105.1 प्रतिशत, धमतरी में 104.8 प्रतिशत, बलौदाबाजार में 103.7 प्रतिशत और जांजगीर-चांपा में 100.2 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है, जहां आंकड़े सामान्य या सामान्य से अधिक रहे हैं। दूसरी ओर, राज्य के कई जिलों में मानसून की बेरुखी से सूखा जैसी स्थिति बनी हुई है। सबसे कम बारिश कांकेर जिले में दर्ज की गई है।

# सांसों की जंग जीतकर मैदानों में दौड़ी नन्हीं प्रेरणा-मासूम धड़कन की चमत्कारी वापसी

रायपुर/ संवाददाता

बचपन खेल-कूद, तितलियों के पीछे भागने और खिलखिलाने का नाम है, लेकिन बस्तर जिले की ग्राम लेण्ड्रा की मासूम प्रेरणा के लिए चंद कदम चलना भी किसी पहाड़ चढ़ने जैसा हो गया था। थोड़ा सा भी हिलने-डुलने पर उखड़ती सांसें और शरीर को जकड़ लेने वाली थकान उसके हंसते-खेलते बचपन को चुपचाप निगल रही थी। माता-पिता की आंखों में बेबसी थी और बच्ची के चेहरे से चंचलता गायब, मगर नियति ने इस नन्हीं जान के लिए एक नई सुबह तय कर रखी थी। प्रेरणा के जीवन में मोड़ तब आया जब सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरभा की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम उसके स्कूल में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंची। डॉक्टरों की अनुभवी

नजरों ने प्रेरणा की थकी सांसों के पीछे छिपे खतरे को पल भर में भांप लिया। जांच में दिल की बीमारी के लक्षण दिखे, तो बिना एक पल गंवाए टीम उसे एमपीएम अस्पताल ले गई। वहां एसएमसी अस्पताल रायपुर के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. एसएस मोहंती ने इको टेस्ट किया और पुष्टि की कि प्रेरणा के नन्हें दिल को बचाने के लिए तुरंत ओपन सर्जरी की जरूरत है। यह खबर परिवार के पैरों तले जमीन खिसकाने वाली थी, लेकिन यहीं से डॉक्टरों और प्रशासन की फरिश्ता बनी टीम ने कमान संभाली। प्रेरणा के माता-पिता की सहमति के बाद खण्ड चिकित्सा अधिकारी दरभा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के मार्गदर्शन में उसे रायपुर के एसएमसी अस्पताल ले जाया गया। ऑपरेशन थिएटर का दरवाजा बंद हुआ और शुरू हुई सांसों की सबसे बड़ी जंग। डॉ. मोहंती और उनकी सर्जिकल टीम के हुनर व तत्परता से वह जटिल सर्जरी पूरी तरह सफल रही और प्रेरणा के दिल की धड़कनों ने एक नया जीवन राग छेड़ दिया। आज प्रेरणा को देखकर कोई कह ही नहीं सकता कि यह वही बच्ची है जो कभी चार कदम चलने में हांफ उठती थी। अब न तो उसकी सांसें फूलती हैं और न ही चेहरे पर थकान का साया नजर आता है।

# नल से घर पहुंचा पानी हर्राटिकरा के परिवारों की बदली जिंदगी

- जल जीवन मिशन से पानी के लिए लंबी दूरी तय करने की परेशानी हुई दूर, शत-प्रतिशत परिवारों तक पहुंचा नल से जल

रायपुर/ संवाददाता

कभी पानी की जरूरत पूरी करने के लिए लंबी दूरी तय करना हर्राटिकरा के ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। गर्मी के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने के बाद गांव की तस्वीर बदल गई है। अंबिकापुर जिला मुख्यालय से लगभग 61 किलोमीटर दूर सीतापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत चलता के आश्रित ग्राम हर्राटिकरा के 166 परिवारों को अब घर पर ही नल से पानी मिल रहा है। इससे ग्रामीणों को पानी जुटाने में लगने वाले समय और मेहनत से राहत मिली है। सेवा संकल्प अभियान के तहत हर्राटिकरा की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि घर तक पानी की पहुंच किस तरह ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधा जोड़ रही है। विशेष रूप से महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय की बचत होने से घर-परिवार, आजीविका और अन्य जरूरी कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है। कुछ समय पहले तक हर्राटिकरा में पेयजल की उपलब्धता ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती थी। दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाने में काफी समय और मेहनत लगती थी। गर्मी के मौसम में जल संकट बढ़ने से ग्रामीणों की परेशानी भी बढ़ जाती थी। जल जीवन मिशन के तहत गांव के घरों तक नल कनेक्शन से पानी पहुंचने के बाद परिस्थितियां बदली हैं। अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। घर पर ही पानी उपलब्ध होने से उनकी दिनचर्या आसान हुई है और समय की बचत हो रही है। घर तक पानी पहुंचने का बड़ा लाभ गांव की महिलाओं को मिला है। पहले पानी लाने में लगने वाला समय अब बच रहा है। महिलाएं इस समय का उपयोग घरेलू कार्यों, परिवार की देखभाल और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों में कर पा रही हैं। पानी की नियमित उपलब्धता से घर की साफ-सफाई और रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों को पूरा करना भी आसान हुआ है। ग्राम पंचायत चलता के सरपंच श्री गुन्नू राम बताते हैं कि घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचना ग्रामीणों के लिए बड़ी सुविधा है।

# बिजली से बदली जिंदगी, सुशासन और जनकल्याण की संकल्पना हुई साकार....

- सेवा संकल्प अभियान से गांव में पहुंची विकास की रोशनी, 75 वर्षों का इंतजार हुआ खत्म

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा, सुशासन और जनकल्याण के उद्देश्यों को धरातल पर साकार करते हुए मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम सम्बलपुर के ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई रोशनी जगाई है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड के ग्राम सम्बलपुर निवासी अनिल हिंडामी के परिवार के लिए बिजली का पहुंचना वर्षों से देखे जा रहे एक सपने के साकार होने जैसा है। आजादी के बाद लगभग 75 वर्षों तक गांव में विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। सूर्य ढलते ही गांव अंधेरे में डूब जाता था। बच्चों को पढ़ाई करने में कठिनाई होती थी, मोबाइल चार्ज करने के लिए दूसरे गांव जाना पड़ता था तथा खेती सिंचाई के लिए डीजल पंप पर निर्भर थी। मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत गांव में ट्रांसफार्मर एवं विद्युत पोल स्थापित कर घरों तक बिजली पहुंचाई गई। अनिल हिंडामी के घर में पहली बार विद्युत मीटर, बोर्ड और बल्ब लगा, जिससे उनके परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। अब घर में पंखा और कूलर चल रहे हैं, रात में पर्याप्त रोशनी उपलब्ध है और बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है। मोबाइल चार्जिंग की सुविधा घर पर ही उपलब्ध होने के साथ ही मोटर पंप से सिंचाई शुरू होने से कृषि कार्य भी सुगम हुआ है। अनिल हिंडामी के लिए बिजली महज उजाले का साधन नहीं, बल्कि बेहतर जीवन और नई संभावनाओं की रोशनी है।

# 8 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रोजगार मेला

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 7 और 8 अक्टूबर को रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्रों के 8 हजार से अधिक पदों पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। युवाओं के लिए पंजीयन कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग ने वृहद उद्योगों और निजी प्रतिष्ठानों को मेले में शामिल कर अधिक से अधिक रिक्तियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इच्छुक युवा ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से रिक्तियों की जानकारी लेकर पंजीयन करा सकते हैं। चयनित युवाओं को ऑफर लेटर राज्य और जिला स्तरीय रोजगार मेलों में चयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा ऑफर लेटर वितरित किए जाने की तैयारी है। जिलों से चयनित अभ्यर्थियों की सूची 1 अक्टूबर तक भेजने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायतों के जरिए प्रचारअधिकाधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। चयनित युवाओं की रोजगार मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

---

**छत्तीसगढ़ का खजाना जनता के लिए खुला है**

# गांव से शहर तक तेज गति से हो रहे विकास कार्य-उपमुख्यमंत्री

- उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने रखी कवर्धा के नए स्वरूप की नींव, 54 करोड़ से बनेगी 4 लेन सड़क
- सड़क, शिक्षा और पर्यटन से बदल रहा कवर्धा का स्वरूप- उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

कवर्धा शहर में प्रवेश करते ही अब बदलता हुआ शहर नजर आएगा। 54 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 7.8 किलोमीटर सड़क को 4 लेन में विकसित करने के साथ रायपुर और बिलासपुर की ओर दोनों प्रवेश मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज शहर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए नया मंडी परिसर, कवर्धा में इस सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। चंद्रयान हॉस्पिटल से शुरू होकर कवर्धा शहर के प्रमुख हिस्सों से गुजरते हुए जोरातराल के आगे तक बनने वाली इस 4 लेन सड़क में डिवाइडर का भी निर्माण किया जाएगा। प्रवेश द्वारों के डिजाइन में धर्मनगरी कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष आग्रह पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कवर्धा नगर पालिका में सामुदायिक भवन निर्माण और मटन मार्केट के लिए 3.50 करोड़ रुपए, नगर पंचायत बोड़ला में बाजार विस्थापन के लिए 1.50 करोड़ रुपए, सहसपुर लोहारा में बाधांटोला में गौरव पथ निर्माण के लिए 1.50 करोड़ रुपए और नगर पंचायत पिपरिया के खेल मैदान के लिए 1.50 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की घोषणा की। इसके साथ ही उनकी मांगों पर विभिन्न सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्पों को

पूरा करने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्ष के पुराने बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता पारिश्रमिक में वृद्धि और पीएससी मामले की सीबीआई जांच जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माथे पर नक्सलवाद का जो कलंक था, उसे मिटाने की दिशा में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। जवानों के साहस और परिश्रम से छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़क सहित बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले ढाई वर्षों में लोक निर्माण विभाग में 12,666 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। अनेक कार्य शुरू हो चुके हैं और कई पूरे भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। जनता का पैसा जनता के विकास पर खर्च किया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का खजाना छत्तीसगढ़ की जनता के लिए खोला गया है। इसी का परिणाम है कि गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्यों की गति बढ़ी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कबीरधाम जिला भी विकास की इस यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जिले की जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की सहभागिता से विकास की यह गति और मजबूत होगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा में लगभग 140 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें सड़क, शिक्षा, शहर के विकास और धार्मिक-पर्यटन स्थलों से जुड़े कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कवर्धा शहर में 54 करोड़ रुपए की लागत से चार लेन सड़क का निर्माण शुरू होगा। रायपुर और बिलासपुर मार्ग की ओर लगभग 3-3 किलोमीटर सड़क का विकास किया जाएगा।

# संपादकीय

## कुकी समुदाय के 'काला दिवस' पर मणिपुर में हिंसा, क्या फिर तेज होगा जातीय संघर्ष?

कुकी समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है। किसी भी सरकार की यह नीतिगत और नैतिक जिम्मेदारी होती है कि समाज में शांति एवं सौहार्द बना रहे। तभी आम लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकता है। मगर, लंबे समय से जातीय हिंसा और सामाजिक तनाव से जूझ रहे मणिपुर में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। आए दिन हिंसक घटनाओं का राज्य की सामाजिक संरचना, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है।

हालांकि, हालात में कई बार सुधार के संकेत दिखाई दिए, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। पिछले कुछ समय से स्थिति फिर बिगड़ने लगी है। इसी का नतीजा है कि राज्य के तामेंगलोंग और नोनी जिलों में बीते रविवार को उग्रवादियों के हमलों में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। इस पर सरकार का कहना है कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मगर, सवाल है कि अगर सरकार इस मसले पर इतनी गंभीर है और इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रही है, तो फिर धरातल पर उसका असर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है?दरअसल, मणिपुर की समस्या केवल जातीय संघर्ष तक सीमित नहीं है। इसके पीछे प्रशासनिक व्यवस्था, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों को लेकर समुदायों के बीच लंबे समय से चले आ रहे अविश्वास जैसे कई जटिल कारण भी हैं। इसलिए केवल सुरक्षा बलों की तैनाती या तनावग्रस्त इलाकों में प्रतिबंध लगाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाएगा।हिंसा को रोकना जरूरी है, लेकिन उसके साथ उन कारणों को समझना और दूर करना भी आवश्यक है, जिनसे तनाव बार-बार पैदा होता है। हिंसा की ताजा घटनाएं कुकी समुदाय की ओर से मनाए जाने वाले 'काला दिवस' के मौके पर हुई। यह समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है।जाहिर है कि इस समुदाय के लोग उग्रवादियों के हमले को जातीय हिंसा से जोड़कर देख रहे हैं। कुकी-जो काउंसिल का कहना है कि सशस्त्र समूहों की गतिविधियां आम नागरिकों की जान पर भारी पड़ रही हैं और इससे राज्य में फिर से जातीय संघर्ष तेज होने का खतरा है।मणिपुर में विस्थापन भी एक गंभीर समस्या है। हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर लंबे समय से राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन लोगों की घर वापसी केवल प्रशासनिक आदेश से संभव नहीं होगी, उन्हें सुरक्षा का भरोसा, आजीविका के साधन और संपत्ति तथा पुनर्वास को लेकर ठोस उपायों की जरूरत है।

**यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया? सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?**

# 84 फीसद डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी, क्या महंगा होगा भुगतान या बदल जाएगा कारोबारियों का व्यवहार?

(पीएस वोहरा )

अब तक आम धारणा यही रही कि यूपीआइ से भुगतान करना लगभग पूरी तरह निशुल्क है और यह व्यवस्था बनी रहेगी। मगर सरकार की नई व्यवस्था के बाद यह तस्वीर अब बदलने जा रही है। पंद्रह अक्तूबर 2026 से सभी व्यापारिक भुगतान पूरी तरह शुल्क मुक्त नहीं रहेंगे। हालांकि दो व्यक्तियों के बीच होने वाले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा और दो हजार रुपए तक के व्यापारिक भुगतान भी शुल्क मुक्त रहेंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ व्यापारिक भुगतानों पर शुल्क लागू होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से अलग से नहीं लिया जाएगा और इसे कर भी नहीं माना जाएगा। फिर भी इस फैसले ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस यूपीआइ को देश में डिजिटल भुगतान की सबसे बड़ी सार्वजनिक आधारभूत व्यवस्था के रूप में खड़ा किया गया, उसकी लागत का बोझ अब किस तरह और किस पर पड़ेगा?

यूपीआइ उस बदलाव की कहानी है, जिसने भारत में भुगतान के तौर-तरीके को ही बदल दिया। अप्रैल 2016 में यूपीआइ की शुरुआत 21 बैंकों के साथ हुई थी। अगस्त 2016 में करीब नब्बे हजार रुपए के लेन-देन हुए। शुरुआत छोटी थी, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम ने असाधारण गति पकड़ी। आठ नवंबर 2016 को पांच सौ और एक हजार रुपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा हुई। इसके बाद नकदी की उपलब्धता अचानक सीमित हो गई और डिजिटल भुगतान के लिए एक विशाल नया बाजार तैयार हुआ।

पेटीएम जैसे डिजिटल भुगतान मंचों ने इस दौर में तेज वृद्धि दर्ज की। उसने उस समय अपने लेन-देन और उपयोगकर्ताओं में कई गुना बढ़ोतरी के दावे किए। यह वही दौर था, जब डिजिटल भुगतान केवल सुविधा का विकल्प नहीं रहा, बल्कि रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनने लगा।

यूपीआइ ने इसके बाद लगातार नई ऊंचाइयां छुईं। अक्तूबर 2019 में एक अरब से अधिक लेन-देन का आंकड़ा पार हुआ। फरवरी 2020 में लेन-देन करीब 1.32 अरब तक पहुंच गए। फिर कोरोना महामारी और देशव्यापी बंद ने लोगों के भुगतान व्यवहार को एक और बड़ा मोड़ दिया। अप्रैल 2020 में भी यूपीआइ पर करीब एक अरब लेन-देन हुए।

इसके बाद अक्तूबर 2020 में यह आंकड़ा दो अरब से ऊपर चला गया और दिसंबर 2020 में करीब 2.23 अरब लेन-देन दर्ज किए गए। वित्त वर्ष 2025 से 2026 में देश के कुल डिजिटल भुगतान लेन-देन में यूपीआइ की हिस्सेदारी करीब 84 फीसद तक पहुंच गई। जुलाई 2026 में ही यूपीआइ पर करीब 23.66 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.88 लाख करोड़ रुपए रहा।

यूपीआइ उपभोक्ता के लिए अभी लगभग मुफ्त है, लेकिन इसे चलाना मुफ्त नहीं है। इसके पीछे सर्वर, तकनीकी ढांचा, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने की व्यवस्था, बैंकिंग नेटवर्क, ग्राहक सहायता और लगातार बढ़ते लेन-देन को संभालने की क्षमता पर भारी खर्च होता है। संसदीय वित्त संबंधी समिति के सामने रखे गए आंकड़ों के अनुसार, यूपीआइ के संचालन की अनुमानित वार्षिक लागत करीब 20,700 करोड़ रुपए है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने करीब दो हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया?

सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?

नई व्यवस्था में दो हजार रुपए तक के भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए शुल्क मुक्त व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार के अनुसार, करीब 96 फीसद व्यापारिक लेन-देन इससे प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ निर्धारित व्यापारिक भुगतानों पर 0.4 फीसद शुल्क लगेगा, जिसमें 75,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम तीन सौ रुपए की सीमा होगी।

कुछ निर्धारित क्षेत्रों में प्रति लेन-देन पांच रुपए तथा पूंजी बाजार से जुड़े भुगतान में 0.02 फीसद और अधिकतम तीन सौ रुपए तक का शुल्क प्रस्तावित है। व्यापारी यह शुल्क सीधे ग्राहक से अलग से नहीं वसूल सकते, लेकिन आर्थिक व्यवहार इतना सीधा नहीं होता। व्यापारी इस लागत को किसी दूसरी लागत में समायोजित कर सकता है या भविष्य में कीमतों को बदलने पर विचार कर सकता है।

हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि इससे महंगाई बढ़ेगी, लेकिन यह सवाल जरूर है कि लगातार बढ़ती डिजिटल भुगतान लागत का अंतिम आर्थिक भार आखिर किसके हिस्से में जाएगा। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या शुल्क लगने के बाद व्यापारी डिजिटल भुगतान को पहले जैसी सहजता से अपनाएंगे? यदि किसी भुगतान माध्यम को व्यापारी एक नियमित लागत के रूप में देखने लगे, तो क्या वे दूसरे भुगतान माध्यमों को प्राथमिकता देने की कोशिश नहीं करेंगे?

यही वह बिंदु है, जहां वर्ष 2016 की पूरी कहानी फिर सामने खड़ी हो जाती है। यूपीआइ ने ग्राहकों और व्यापारियों की अलग-अलग परेशानियों का एक ही समाधान दिया था। ग्राहक नकदी रखने की मजबूरी से बाहर आया और व्यापारी नकदी संभालने की मजबूरी से। ग्राहक के लिए खाते में मौजूद पैसा ही उसकी जेब बन गया और व्यापारी के लिए खाते में आने वाला भुगतान ही उसकी बिक्री की सुरक्षित प्राप्ति। एक रुपए से लेकर हजारों रुपए तक का लेन-देन कुछ ही क्षणों में पूरा होने लगा।

बैंकिंग शाखा, नकदी और खुले पैसों से जुड़ी अनेक रोजमर्रा की जटिलताएं पीछे छूट गईं, लेकिन अब पहली बार इस सहज व्यवस्था की लागत सामने आ रही है। डर यह नहीं कि ग्राहक से सीधे शुल्क लिया जाएगा। डर यह है कि व्यापारी के व्यवहार में बदलाव कहीं ग्राहक के व्यवहार को न बदल दे। बड़े कारोबारों के लिए यूपीआइ का महत्त्व छोटे व्यापारियों जैसा कभी नहीं रहा।

उनका भुगतान तंत्र पहले से ही औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था पर आधारित है। वेतन और मजदूरी का भुगतान बैंक खातों के माध्यम से, आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान बैंक हस्तांतरण या चेक से और बड़े कारोबारी लेन-देन भी बैंकिंग प्रणाली के निर्धारित माध्यमों से होते हैं। उनके लिए भुगतान की व्यवस्था किसी एक त्वरित भुगतान माध्यम पर निर्भर नहीं है।

# असहमति का सम्मान जरूरी- संवाद, रिश्ते और लोकतंत्र की असली परीक्षा

(रामानुज पाठक )

मनुष्य ने सभ्यता इसलिए नहीं बनाई कि सब एक जैसा सोचें। सभ्यता का अर्थ है कि अलग-अलग सोच वाले लोग एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना साथ रह सकें। मगर सभ्यता की इस लंबी यात्रा के बावजूद मनुष्य एक विकृत प्रवृत्ति से मुक्त नहीं हो पाया है। वह है- अपनी बात को विचार और दूसरे की बात को समस्या समझना। अपनी असहमति उसे स्वतंत्र चिंतन लगती है और दूसरे की असहमति अवज्ञा। ईर्ष्या और द्वेष की जड़ें इसी मानसिकता में छिपी हैं। यानी हम जो कहें- वह तुम सुनो, तुम जो कहो- उसे सुनना हमारी जिम्मेदारी नहीं। विडंबना यह है कि अधिकांश लोग सार्वजनिक जीवन में लोकतंत्र चाहते हैं, लेकिन अपने निजी संसार में मनमर्जी से काम करना चाहते हैं। राष्ट्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए, लेकिन परिवार में नहीं। समाज में समानता चाहिए, पर अपने संबंधों में नहीं। हम चाहते हैं कि बच्चे हमारी बात सुनें, लेकिन उनकी बात सुनने का धैर्य नहीं रखते। दूरियां किसी एक बड़े विवाद से नहीं बनतीं। वे छोटे-छोटे अनसुने वाक्यों से बनती हैं। किसी ने कुछ कहा और हमने पूरा सुने बिना उत्तर दे दिया। किसी ने असहमति जताई और हमने उसके चरित्र का फैसला सुना दिया। असली समस्या यह है कि हम सुनते हुए भी अपने भीतर बोलते रहते हैं। सामने वाला वाक्य पूरा नहीं करता और हमारे भीतर उत्तर तैयार हो जाता है। हम उसके शब्द नहीं सुन रहे होते, अपनी अगली प्रतिक्रिया लिख रहे होते हैं। मनुष्य को अपनी बात सही सिद्ध करने में कई बार अधिक आनंद आता है। वह बहस जीतकर लौटता है और मान लेता है कि संबंध भी जीत लिया। जबकि कई बार बहस में मिली विजय, संबंध में मिली पराजय होती है। आपने तर्क जीत लिया, लेकिन सामने वाले का मन खो दिया। यहीं से ईर्ष्या का दूसरा चेहरा सामने आता है। जब हम दूसरे की योग्यता स्वीकार नहीं कर पाते, तो उसकी उपलब्धि हमें अपनी कमी का आईना लगती है। वह आगे बढ़ता है और हमें लगता है कि हमारा स्थान पीछे हो गया। ईर्ष्या का सुविधाजनक रास्ता है उपलब्धि की व्याख्या बदल देना। मेहनत को भाग्य कह दीजिए, प्रतिभा को संयोग, उपलब्धि को सिफारिश और सफलता को कृपा कह दो। इससे आत्मसम्मान सुरक्षित रहता है। मगर असल बात यह है कि यदि सामने वाला सचमुच योग्य है, तो हमें अपने भीतर झांकना पड़ेगा। द्वेष इसी मानसिक सुविधा का अगला चरण है। ईर्ष्या पूछती है, इसके पास क्यों है? द्वेष कहता है, इसके पास नहीं होना चाहिए। फिर व्यक्ति दूसरे को गिराने में वही संतोष खोजने लगता है, जो उसे स्वयं ऊपर उठने में मिलना चाहिए था। विडंबना यह भी है कि दूर की सफलता हमें प्रेरित करती है और पास की सफलता परेशान। किसी अनजान व्यक्ति की उपलब्धि पर हम कहते हैं, देश का नाम रोशन कर रहा है। वही उपलब्धि पड़ोसी हासिल कर ले, तो भीतर का आलोचक जाग जाता है, इतनी भी बड़ी बात नहीं है। परिवार में यही मनोविज्ञान रिश्तों को भीतर से खोखला करता है। प्रेम के नाम पर अधिकार, संरक्षण के नाम पर नियंत्रण और अनुशासन के नाम पर भय पैदा किया जाता है। सामने वाले को इतना अपना मान लेते हैं कि उसकी स्वतंत्रता भूल जाते हैं। संबंधों का यह सबसे विचित्र विरोधाभास है कि जिसे हम अपना कहते हैं, उसी को सबसे कम स्वतंत्रता देना चाहते हैं। समाज में यही मानसिकता समूहवाद बन जाती है। हर समूह चाहता है कि उसकी आवाज सुनी जाए, लेकिन दूसरे की आवाज को शोर कहने में देर नहीं लगती। हर विचारधारा प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता चाहती है, मगर अपने भीतर प्रश्न उठाने वाले को संदेह की निगाह से देखती है। राष्ट्र का निर्माण केवल सीमाओं, संस्थाओं और कानूनों से नहीं होता, वह साझा मनोविज्ञान से भी बनता है। लोकतंत्र की असली परीक्षा तब नहीं होती, जब सब आप से सहमत हों। उसकी परीक्षा तब होती है, जब कोई असहमत होकर अपनी बात कह सके। सहमति में साथ चलना सुविधा है, असहमति में साथ रहना सभ्यता। हमें एक नया सामाजिक व्याकरण सीखना होगा, मैं सही हो सकता हूं, लेकिन केवल मैं ही सही हूं, यह जरूरी नहीं। किसी की बात सुन लेना उससे सहमत होना नहीं है। असहमति का सम्मान करना अपनी मान्यता छोड़ना नहीं है। जिसे अपने विचार पर विश्वास होता है, वह प्रश्न से नहीं डरता। प्रश्न विचार का शत्रु नहीं, उसकी अग्निपरीक्षा है। इसलिए परिवार में बच्चा प्रश्न पूछे, तो उसे चुप कराने के बजाय सुनिए। समाज में कोई असहमत हो, तो पहले यह समझिए कि वह किस अनुभव से बोल रहा है। किसी की सफलता दिखाई दे, तो उसमें अपनी पराजय मत खोजिए। सबसे कठिन प्रश्न यही है, क्या मैं सचमुच संवाद कर रहा हूं या केवल अपनी बात की स्वीकृति मांग रहा हूं? क्योंकि संवाद का उद्देश्य सामने वाले को हराना नहीं, समझना है।

संबंध का उद्देश्य दूसरे को अपने जैसा बनाना नहीं, उसके अलग होने की जगह बनाना है।

# नरेन्द्र मोदी- दृढ़ संकल्प, सशक्त नेतृत्व, दूरदृष्टा और सर्वांगीण विकास के प्रेरणादायक प्रतीक

**मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं।**

(दीपक कुमार त्यागी )

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज विकास के पथ पर तेज़ी से अग्रसरित भारत, विकसित भारत बने के लिए सर्वांगीण विकास के कार्यों को धरातल पर मूर्त रूप देते हुए सफलता के नित-नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में तेज़ी से आर्थिक सुधार हो रहे हैं, मोदी ने देश में परिवर्तन लाने के लिए शहर, कस्बों से लेकर के गांव, दुर्गम दूरदराज के इलाकों तक में भी अब विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के अनवरत विकास का कार्य युद्ध स्तर पर चलवाने का कार्य कर रखा है। 21वीं सदी की आधुनिकता की दौड़ में एआई व डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भारत दुनिया भर में अपना लोहा मनवाने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विज़न के दम पर स्वदेशी को तेज़ी से बढ़ावा देकर के भारत तेज़ी से आत्मनिर्भर बनने का मुकाम हासिल कर रहा है। देश में विश्वस्तरीय आधुनिक सड़क, सागर व नभ मार्ग विकास के नित-नए मार्ग खोल रहे हैं। देश के पास विश्वस्तरीय अत्याधुनिक हथियारों के जखीरे व सुविधाओं से सुसज्जित ट्रैंड सेना का पूरा बड़ा लावा लश्कर मौजूद है, जो दुश्मन देशों से घिरे होने के बाद भी देश की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का कार्य बखूबी करता है। वैश्विक स्तर पर कूटनीति और देश की विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत होती स्थिति के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधुनिक भारत का शिल्पकार माना जाता है।

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं, जिन्होंने आजादी के लगभग 7 दशकों का लंबा समय बीत जाने के बाद देश के दूरदराज, दुर्गम और सीमावर्ती इलाकों तक में भी विश्व स्तरीय इंफास्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य निरंतर शुरू कर रखा है, जो काबिले-तारीफ व अचंभित करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनके कार्यकाल के दौरान देश में बड़े पैमाने पर धरातल पर नये भारत की परिकल्पना के साथ इंफास्ट्रक्चर के निर्माण का कार्य तेज़ी से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश में आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, सड़क, रोपवे, एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे आदि जगह-जगह बन रहे हैं। पूरे देश में सड़क, हवाई, रेल व जल मार्ग से यात्रा व माल ढुलाई आदि की व्यवस्था को बहुत तेज़ी से विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। पिछले लगभग 4 या 5 दशक से आतंक की आग में झुलस रहे जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को कायम करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब वहां पर शांति है। धारा 370 को हटाकर के जम्मू-कश्मीर के निवासियों को दशकों से वंचित किए गए उनके हक को वापस दिया गया। वहीं देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें मुख्य रूप से देखा जाए तो जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हृदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना, उदय, स्टार्ट-अप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड अप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, नमामि गंगे योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना आदि जैसी योजनाएं चल रही हैं। यह योजनाएं हम भारतवासियों के जीवन स्तर में सुधार करते हुए उसे बेहतर बनाने कार्य कर रही हैं।

अपनी दमदार कार्यशैली के दम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता की अदालत में लोगों की आशा व उम्मीद का सकारात्मक प्रतीक बन चुकें हैं, लोग मान रहे हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत का बहुत तेज़ी से सर्वांगीण विकास हो रहा है। मोदी सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करते हुए देश व दुनिया को उससे बखूबी रूबरू करवा रहा है। आज का शक्तिशाली नया भारत आत्मनिर्भरता, विकास और वैश्विक सम्मान की एक नई ऊंचाइयों को छूने का कार्य कर रहा है। मोदी के नेतृत्व में विकासशील भारत अब विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से आगे कदम बढ़ रहा है। जब पूरी दुनिया युद्ध व मंदी की मार से ग्रस्त हैं उस वक्त भी मोदी के प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और दुनिया के ताकतवर देशों को पीछे छोड़ने का कार्य कर रही है, जो एक बहुत अच्छा संकेत है। आज भारत दुनिया के निवेशकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है, भारत में अब विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े कल-कारखाने खुलने लगें हैं। आर्थिक स्तर के मोर्चे के साथ-साथ सामरिक स्तर पर भी अब तो दुनिया भारत का लोहा मानने लगी है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत विकास के नित-नए आयाम स्थापित करने का कार्य कर रहा है, लोग भी बढ़े ही आत्म विश्वास के साथ गर्व से कह रहे हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। (लेखक अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# छह फीट की जगह 3-4 फीट में गाड़ दिए 33 केवी के पोल

## 365 किलो के 11 मीटर पोल की नींव पर सवाल, पुराने-क्षतिग्रस्त पोल व कमजोर स्टे का इस्तेमाल

**बालोद।** जल जीवन मिशन के तहत ग्राम कोटेरा-सम्बलपुर स्थित खरखरा केनाल क्षेत्र में कराए जा रहे 33 केवी विद्युत लाइन और मिनी सब स्टेशन के कार्य में गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 11 मीटर ऊंचे और करीब 365 किलो वजन वाले पीसीसी पोल को निर्धारित गहराई तक जमीन में स्थापित किए जाने के बजाय कई स्थानों पर महज 3 फीट तक गाड़े जाने का मामला सामने आया है। मौके पर पुराने और क्षतिग्रस्त पोल, कमजोर स्टर्ड, पुरानी फिटिंग सामग्री और कांक्रीटिंग में भी भारी अनियमितता बरती गई हैं। मामला केवल पोल की गहराई तक सीमित नहीं है। क्रॉस आर्म में लगने वाले क्लिट, एल्बो, आई-बोल्ट, चैनल, नट-बोल्ट, कंडक्टर, अर्थिंग और लाइन क्लियरेंस सहित कई बिंदुओं पर सवाल उठ रहे हैं। 11 मीटर, 365 किलो के पीसीसी पोल के लिए निर्धारित तकनीकी मापदंड के अनुसार पर्याप्त गहराई में गड्ढा तैयार कर बेस और कांक्रीटिंग के साथ पोल स्थापित किया जाना चाहिए। लेकिन सम्बलपुर क्षेत्र में कई पोल करीब 3 से साढ़े 3 फीट की गहराई में ही स्थापित किए जाने की बात सामने आई है। कुछ स्थानों पर निर्धारित गहराई तक कांक्रीटिंग करने के बजाय ऊपर से कांक्रीट डालकर कार्य पूरा किया गया है। ऐसे में पोल की वास्तविक नींव कितनी गहरी है और उसकी पकड़ कितनी मजबूत है, यह मौके पर सामान्य निरीक्षण से स्पष्ट नहीं होगा। संदिग्ध पोल की खुदाई कर बेस, कांक्रीटिंग और वास्तविक गहराई की जांच कराई जाए तो स्थिति सामने आ सकती है।

### 365 किलो के पोल पर लगा कमजोर स्टर्ड

11 मीटर और करीब 365 किलो वजन वाले पोल पर लगाए गए स्टे की क्षमता को लेकर भी सवाल हैं। कुछ स्थानों पर भारी पोल के अनुरूप स्टर्ड लगाने के बजाय अपेक्षाकृत हल्के पोल में इस्तेमाल होने वाले स्टर्ड लगाए गए हैं। 11 मीटर के पोल के साथ हल्का व पतला उपयोग होने वाले स्टर्ड लगाए जाने की बात भी सामने आई है। यदि ऐसा है तो स्टर्ड की क्षमता और स्वीकृत तकनीकी मापदंड का मिलान कराया जाना आवश्यक है। 33 केवी लाइन में पोल पर आने वाले यांत्रिक भार को देखते हुए स्टर्ड की मजबूती महत्वपूर्ण होती है। मौके पर कुछ पोल पुराने अथवा क्षतिग्रस्त हालत में नज़र आये है।

कुछ पोल में अंदर की तार भी दिखाई दे रही है। इसके अलावा एल्बो, स्टर्ड, क्लिट, नट-बोल्ट, क्रॉस आर्म, दो-होल क्लिट और क्रॉस-ब्रेसिंग जैसी सामग्री पुरानी लगी हैं। कुछ पोल वर्ष 2025 के नजर आ रहे हैं, लेकिन उनके साथ इस्तेमाल की गई अन्य सामग्री भी पुरानी बताई जा रही है। ऐसे में यह जांच जरूरी है कि कार्यादेश में किस कंपनी, ग्रेड और तकनीकी मानक की सामग्री स्वीकृत थी और मौके पर वास्तव में कौन-सी सामग्री लगाई गई। लोहे की सामग्री पर जंगरोधक उपचार को लेकर भी सवाल हैं। एल्बो, आई-बोल्ट, चैनल, क्रॉस-ब्रेसिंग, स्टर्ड और क्लैंप आदि पर निर्धारित रेड ऑक्साइड पेंट अथवा अन्य जंगरोधी उपचार हुआ है या नहीं, इसकी तकनीकी जांच जरूरी है। कुछ स्थानों पर कंडक्टर ढीला दिखाई देने और कहीं गांठ जैसी स्थिति होने की बात भी सामने आई है। वहीं लाइन के मार्ग में पेड़ और झाड़ियां मौजूद होने के बावजूद आवश्यक क्लियरेंस सुनिश्चित किए बिना तार खींचे गए है।

### तकनीकी जांच से ही सामने आएगी वास्तविकता

पोल की गहराई, बेस प्लेट, कांक्रीटिंग, स्टर्ड की क्षमता, पुराने-क्षतिग्रस्त पोल, फिटिंग सामग्री, कंडक्टर, अर्थिंग, लाइन क्लियरेंस और मिनी सब स्टेशन निर्माण को लेकर एक साथ सवाल उठने के बाद अब पूरे कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच की जरूरत है। विभागीय टीम यदि संदिग्ध पोल की खुदाई कर वास्तविक गहराई और नींव की जांच करे तथा स्वीकृत तकनीकी मापदंड और मौके की सामग्री का मिलान कराए, तभी यह स्पष्ट हो सकेगा कि कार्य में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का कितना पालन हुआ है।

खरखरा से पानी सप्लाई होकर मिल में स्टोर होगा, और फिर आसपास के गांवों में पीने के पानी की सप्लाई होगी। दल्लीराजहरा और रायपुर के ठेकेदार के द्वारा कार्य किया जा रहा है। फाइनल चेकिंग के बाद ही सम्बंधित ठेकेदार के द्वारा बिल लगाया जाएगा। फिर विभाग उसकी फिर एक बार मानिटरिंग करेगा, कार्यो को गुणवतापूर्ण किया गया है या नही। पुराने पोल को नया बदलने कहा जायेगा। मानदंडों के अनुरूप अगर कार्य नही किया होगा तो बिल पास नही किया जाएगा।

**मनीराम तारम, एई, सीएसपीडीसीएल, डौंडीलोहारा**

### मिनी सब स्टेशन की बाउंड्रीवाल पर भी सवाल

33 केवी लाइन में विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित क्लियरेंस का पालन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह कई पोल की अर्थिंग व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। विभागीय तकनीकी टीम द्वारा अर्थिंग की वास्तविक स्थिति और उसकी प्रभावशीलता की जांच की जानी चाहिए। प्रस्तावित मिनी सब स्टेशन की बाउंड्रीवाल और अन्य निर्माण कार्य भी जांच के दायरे में है। दोनों मिनी सब स्टेशन और 33 केवी लाइन के कार्य में इस्तेमाल सामग्री, निर्माण गुणवत्ता और स्वीकृत मापदंडों का मौके से मिलान कराया जाना जरूरी है।

### दस्तावेजों से हो सामग्री की पड़ताल

पूरे मामले में केवल मौके के दृश्य निरीक्षण के बजाय कार्यादेश और खरीदी से जुड़े दस्तावेजों की जांच भी महत्वपूर्ण होनी चाहिए। विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पोल, कंडक्टर, लोहे की सामग्री और अन्य विद्युत उपकरण किस अधिकृत वेंडर से खरीदे गए। संबंधित जीएसटी बिल, इनवॉइस, सप्लाई चालान और सामग्री परीक्षण प्रमाणपत्रों का मिलान मौके पर इस्तेमाल सामग्री से कराया जाए।

# 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

**बेमेतरा।** 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राम मंदिर, रामरसोई परिसर में निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वस्थ जीवनशैली एवं आयुर्वेद के प्रति जनजागरूकता विषय पर लोगों को जानकारी प्रदान की गई। इस शिविर में कुल 249 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में डॉ. प्रकाश चंद्र प्रसाद, डॉ. सरोज तिवारी, डॉ. चिरंजीवी एवं डॉ. प्रतीक्षा कौशल द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसी क्रम में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वृक्षारोपण, संगोष्ठी, प्रदर्शनी एवं योग सत्र का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम अंतर्गत लगभग 20 पौधों का महाविद्यालय परिसर में रोपण किया गया। संगोष्ठी में डॉ. सतीश देवांगन एवं डॉ. विकास जैन द्वारा आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. स्वाति शर्मा एवं डॉ. ममता गावरे द्वारा मिलेट्स की प्रदर्शनी एवं आकर्षक रंगोली का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलेट्स के पोषण संबंधी महत्व एवं दैनिक आहार में इनके उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. भूमिका साहू द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास कराया गया तथा योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के संबंध में जानकारी दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्या वीणा त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई तथा विद्यार्थियों को आयुर्वेद, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस प्रकार 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद, योग, पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनसामान्य एवं छात्र-छात्राओं में जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

# जहां चार साल पहले हुआ था झंडा विवाद, उसी झंडा चौक पर तलवार लहराते युवक की गिरफ्तारी

**कवर्धा।** शहर के झंडा चौक में सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इसी झंडा चौक पर करीब चार वर्ष पहले झंडा विवाद का मामला सामने आया था। ऐसे में गणेश पर्व के दौरान सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराने की घटना से एक बार फिर चौक चर्चा में आ गया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि झंडा चौक में एक युवक हाथ में लोहे की धारदार तलवार लेकर उसे लहरा रहा है तथा आने-जाने वाले लोगों और वहां मौजूद नागरिकों से गाली-गलौज कर मारने की धमकी दे रहा है। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को तलवार सहित पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान अनिस खान पिता शुभराती खान, उम्र 20 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 02 रामनगर कवर्धा के रूप में हुई। पुलिस ने तलवार के संबंध में अनुज्ञा पत्र प्रस्तुत करने के लिए धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस दिया। आरोपी द्वारा तलवार का कोई लाइसेंस नहीं होना बताया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से एक नग लोहे की धारदार तलवार जब्त कर विधिवत सीलबंद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 411/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आदेश के बाद उसे जिला जेल कबीरधाम भेज दिया गया। कार्रवाई थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में आरक्षक क्रमांक 658 धमेन्द्र मेरावी एवं आरक्षक क्रमांक 709 संतोष बांधेकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# कवर्धा के प्रवेशद्वार बदलेंगे तस्वीर, 54 करोड़ की फोरलेन सड़क से बदलेगा शहर

**कवर्धा।** शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों का स्वरूप बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 54 करोड़ रुपये की लागत से 7.8 किलोमीटर सड़क को फोरलेन में विकसित किया जाएगा। रायपुर और बिलासपुर मार्ग की ओर दोनों प्रवेश बिंदुओं पर भव्य प्रवेशद्वार बनाए जाएंगे। नया मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव और उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। प्रस्तावित फोरलेन सड़क चंद्रयान हॉस्पिटल से शुरू होकर शहर के प्रमुख हिस्सों से गुजरते हुए जोराताल के आगे तक विकसित होगी। सड़क के बीच डिवाइडर का निर्माण किया जाएगा। प्रवेशद्वारों की डिजाइन में कवर्धा की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता देने की योजना है। इससे रायपुर और बिलासपुर की ओर से शहर में आने वाले लोगों को प्रवेश मार्ग पर ही कवर्धा की अलग पहचान दिखाई देगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेश में सड़क और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में लोक निर्माण विभाग में 12,666 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। उनके अनुसार गांवों से शहरों तक विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि कवर्धा में करीब 140 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें सड़क, शिक्षा, शहर विकास और धार्मिक-पर्यटन से जुड़े कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर मार्ग की ओर करीब तीन-तीन किलोमीटर सड़क का विकास भी प्रस्तावित फोरलेन परियोजना का हिस्सा होगा। शहर में 4.5 करोड़ रुपये की लागत से नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुस्तकालय और डिजिटल पुस्तकालय की सुविधा प्रस्तावित है। नए बस स्टैंड के लिए घोटिया रोड का निर्माण 10 करोड़ रुपये की लागत से किए जाने की जानकारी दी गई। भोरमदेव परिसर के विकास के लिए 1.46 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। इसके अलावा तालाब परिसर, उद्यान, मेला स्थल, छेरकी महल, रामचुआ और सरोधा क्षेत्र में भी विकास कार्य प्रस्तावित या जारी बताए गए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कवर्धा नगर पालिका में सामुदायिक भवन एवं मटन मार्केट के लिए 3.50 करोड़ रुपये, बोड़ला में बाजार विस्थापन के लिए 1.50 करोड़ रुपये, सहसपुर लोहारा के बाघांटोला में गौरव पथ के लिए 1.50 करोड़ रुपये और पिपरिया के खेल मैदान के लिए 1.50 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की। सांसद संतोष पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधियों ने परियोजना को शहर के विकास से जोड़ते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में कलेक्टर तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, डीएफओ निखिल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। फोरलेन सड़क और दोनों प्रवेशद्वारों के निर्माण से कवर्धा के प्रमुख प्रवेश मार्गों का स्वरूप बदलने के साथ यातायात और शहर की कनेक्टिविटी में सुधार की उम्मीद है।

# आकाशीय बिजली गिरने से दो मजदूरों की मौत मामले में जांच एवं वैधानिक कार्यवाही जारी

**बेमेतरा।** थाना बेरला क्षेत्रांतर्गत ग्राम सुरहोली-कुसमी मार्ग पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो मजदूरों की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना बेरला पुलिस द्वारा मर्ग इंटीमेशन कायम कर शव पंचनामा की कार्यवाही की गई। मामले की जांच जारी है। मामले का विवरणः सूचनाकर्तापापन राजवंशी, पिता अमला राजवंशी, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम धूमादिघी, थाना मालदा, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल, हाल ग्राम ढाबा, चौकी कंडरका, थाना बेरला, जिला बेमेतरा ने मर्ग इंटीमेशन दर्ज कराया। सूचनाकर्ता ने बताया किवह लेबर ठेकेदार का कार्य करता है। उसके भाई मनोज राजवंशी तथा पड़ोस के गांव के जगदीश राजवंशी सहित अन्य मजदूर ग्राम सुरहोली में टावर लगाने के कार्य में लगे हुए थे। मनोज राजवंशी एवं जगदीश राजवंशी मोटरसाइकिल से ग्राम ढाबा से ग्राम सुरहोली टावर लगाने के कार्य से गए थे। दोपहर करीब 1:00 बजेदोनों मजदूर लंच के दौरान ग्राम कुसमी से नाश्ता लेकर आने की बात कहकर मोटरसाइकिल से निकले थे। इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली चमक रही थी। करीब 2:00 बजे ग्राम कुसमी से सुरहोली मार्ग पर डी बाउली तालाब के पास बरगद के पेड़ के नीचे दोनों मजदूर मृत अवस्था में मिले। घटना के संबंध मेंसुरहोली में टावर लगाने के कार्य में लगे पार्थ देव सरकार एवं संजीत सरकार से पूछताछ करने पर उन्होंने भी बताया कि तेज बारिश एवं आकाशीय बिजली के दौरान दोनों मजदूर उक्त मार्ग से ग्राम कुसमी की ओर गए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से मनोज राजवंशी के सिर एवं बाएं पैर में जलने एवं चोट के निशान पाए गए हैं।

# प्रधानमंत्री के जन्मदिन को महिमामंडन से अधिक जरूरी आम जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों पर ध्यान देना : रतिराम

**दल्लीराजहरा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में एक माह तक चलाये जा रहे सेवा संकल्प अभियान को लेकर दल्लीराजहरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतीराम कोसमा ने भाजपा पर राजनीतिक आयोजन को 'जनसेवा' का नाम देने का आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया है। रतीराम कोसमा ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर व्यक्तिगत महिमामंडन से अधिक जरूरी आम जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों पर ध्यान देना है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में महंगाई, पेट्रोल डीजल और घरेलु गैस के बढ़ते दाम,बेरोजगारी, बिजली की बढ़ती कीमतों और स्मार्ट मीटर जैसे मुद्दों, सड़को की बद से बत्तर हालत,दम तोड़ती स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा कि लचर व्यवस्था को लेकर आम लोगों में असंतोष है। ऐसे समय में बड़े स्तर पर उत्सव आयोजित करने के बजाय सरकार को इन समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देनी चाहिए। कांग्रेस नेता कोसमा ने कहा कि यदि वास्तव में जनसेवा को अभियान का केंद्र बनाया जाना है तो गरीब, किसान, मजदूर, युवा और आम उपभोक्ताओं से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। कोसमा ने कहा कि कांग्रेस इस अभियान के राजनीतिक स्वरूप का पुरजोर विरोध करते हुए जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी एवं इस विरोध की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जन जन तक पंहुचायेगी।

# अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ 9 अक्टूबर को नया रायपुर में आयोजित हड़ताल में होंगे शामिल

**दल्लीराजहरा।** नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर बालोद जिला के अंतर्गत आने वाले सभी निकाय के कर्मचारी अधिकारी संघ द्वारा अपने सक्षम अधिकारी को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश का ज्ञापन सौंपकर 9 अक्टूबर को नवा रायपुर के तूता मैदान में आयोजित एक दिवसीय हड़ताल में शामिल होंगे तथा 18 सूत्रीय मांगों पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला बालोद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोविन्द राम साहू के नेतृत्व में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बक्शी को ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन सौंपते समय दल्लीराजहरा अध्यक्ष पंकज चंद्राकर, विपिन बेहरा, रामगोपाल चंद्राकर, सुनील तारम, धरमु राम बक्शी, बुद्धिमान सिंह, चित्त कुमार कुर्रे, अनंत साहू, अब्दुल कलीम, सुशील टंडन, नारायण एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष गोविन्द राम साहू ने इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आव्हान किया है कि जिला बालोद के सभी निकाय के अधिकारी कर्मचारीगण अपने अपने सक्षम अधिकारी सी एम ओ को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश हेतु ज्ञापन सौंपकर 9 अक्टूबर को आयोजित हड़ताल में शामिल होकर अपने जायज मांगों के प्रति आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

# जिले के गांव-गांव बनेगी 'कमल सखी', महिलाओं को योजनाओं से जोड़ने का अभियान : प्रज्ञा निर्वाणी

## बूथ स्तर तक पहुंचेगा महिला नेतृत्व,सामाजिक क्षेत्र की सक्रिय महिलाओं को भी अब अवसर

**बेमेतरा।** भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा है कि महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और महिला नेतृत्व को गांव-गांव तक मजबूत करने के उद्देश्य से बेमेतरा जिले में 'कमल सखी' का गठन ग्राम पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कमल सखी केवल भाजपा संगठन से जुड़ी महिलाओं का समूह नहीं होगा, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय, पेशेवर, सामाजिक सरोकार रखने वाली और नेतृत्व क्षमता वाली महिलाओं को भी इससे जोड़ा जाएगा,इसके माध्यम से ऐसी महिलाओं को भाजपा की रीति-नीति और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि वे अपने क्षेत्र की अन्य महिलाओं तक इसकी जानकारी पहुंचा सकें।

### 'अंतिम पंक्ति' तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ

प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, कमल सखी इन योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्र की अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाली महिलाओं के अनुभव और सामाजिक प्रभाव का उपयोग दूसरी महिलाओं को जागरूक करने में किया जाएगा। इससे महिलाओं में जागरूकता, सहभागिता और नेतृत्व की भावना को बढ़ावा मिलेगा। प्रज्ञा निर्वाणी ने बताया कि प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष विभा अवस्थी की मंशा के अनुरूप कमल सखी के गठन को ग्राम पंचायत और बूथ स्तर तक ले जाने की कार्ययोजना पर काम किया जाएगा। महिला मोर्चा स्थानीय स्तर पर ऐसी महिलाओं की पहचान करेगा, जो अपने क्षेत्र में सामाजिक एवं व्यावसायिक रूप से सक्रिय हैं और लोगों के बीच प्रभावी संवाद एवं नेतृत्व क्षमता रखती हैं।

### महिलाएं सिर्फ लाभार्थी नहीं, नेतृत्वकर्ता भी बनें

बकौल प्रज्ञा निर्वाणी मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है,संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने वाला ऐतिहासिक कानून इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मेरा मानना है कि महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं का लाभार्थी बनाना हमारा उद्देश्य नहीं है, वे अपने गांव, समाज और क्षेत्र की जागरूक सहभागी एवं नेतृत्वकर्ता बनें, कमल सखी के माध्यम से इसी सोच को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में कमल सखी को जिले के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए महिला मोर्चा द्वारा व्यापक स्तर पर संपर्क एवं गठन अभियान चलाया जाएगा।

# डौण्डी ब्लाक के 55 गांवो गायत्री महायज्ञ का आयोजन सपन्न

**दल्लीराजहरा।** डौण्डी ब्लाक के 55 गाँवो मे आप सभी ने परम वंदनीया माताजी के जन्मदिन पर जन्म शताब्दी एवं बालोद जिला मे 151 कुंडीय गायत्री महायज्ञ पर एक साथ, एक समय ग्राम प्रव्रज्या के तहत सामुहिक दीप यज्ञ एवं गायत्री महायज्ञ का आयोजन सपन्न हुआ। इस कार्यकम को सफल बनाने हेतु बालोद जिला के गुरूर ब्लाक, डौण्डीलोहारा ब्लाक, बालोद ब्लाक, गुण्डरदेही ब्लाक, के समस्त परिजन इस कार्यकम में विशेष भूमिका निभाई तथा गायत्री परिवार के द्वारा पुसवन संस्कार, मुंडन संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार तथा विभिन्न संस्कार भी संपन्न कराये। डौण्डी ब्लाक से समस्त गायत्री परिजन पूरी तन्मयता के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रयास किया गया और कार्यक्रम सफल भी रहा। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला समन्वयक बी.एस अठनागर, जिला सचिव पुरषोत्तम लाल सोनवानी, डौण्डी ब्लाक समन्वयक नंदकिशोर पिस्दा, ब्लाक सहसमन्वयक डौण्डी संतोष कोरटिया मुख्य ट्रस्ट्री हुलाष देवागन, व्यवस्थापक हीरालाल पवार एवं जिला बालोद के बहुत सारे परिजन इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे सक्रिय भागीदारी निभाया।

# पूर्व शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के जन्मदिन पर हुआ न्यौता भोज

**दल्लीराजहरा।** सेजेस स्कूल नया बाजार में राजहरा में स्थानीय विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अजय छाजेड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नेवता भोज का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वादिष्ट भोजन कराया गया तथा उनके साथ जन्मदिवस की खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार ने अजय छाजेड़ को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं दीं। नेवता भोज के माध्यम से बच्चों के साथ खुशियां बांटने और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं गणमान्यजन शाला प्राचार्य महेश कुमार गोरे, एसएमसी के अध्यक्ष रुकमणि कुशवाहा, वार्ड पार्षद टी. ज्योति, मनन गुप्ता, राजेश मेश्राम, रमेश गुज्जर उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

## संक्षिप्त समाचार

### सेवा संकल्प अभियान : सेवा की कहानी सौर सुजला योजना बनी किसान हरण सिंह के लिए वरदान



**बिलासपुर।** मस्तूरी विकासखंड के ग्राम जुहली निवासी किसान हरण सिंह के लिए शासन की सौर सुजला योजना खेती-किसानी के लिए वरदान बन गई है। कभी सिंचाई के लिए बारिश पर निर्भर रहने वाले हरण सिंह अब सोलर पंप की मदद से रबी और खरीफदोनों मौसम में फसलों का उत्पादन कर रहे हैं और खेती से अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। हरण सिंह ने बताया कि पहले खेती के लिए उन्हें बारिश का इंतजार करना पड़ता था। सिंचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती करना चुनौतीपूर्ण था। शासन की सौर सुजला योजना के तहत अनुदान सहायता का लाभ लेकर उन्होंने अपने खेत में सोलर पंप स्थापित करवाया। इसके साथ ही कृषि कार्य के लिए सिंचाई पाइप भी खरीदा। सोलर पंप स्थापित होने के बाद अब सिंचाई के लिए उन्हें न तो बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है और न ही बिजली का इंतजार करना पड़ता है। सौर ऊर्जा से संचालित पंप के माध्यम से खेतों में जरूरत के अनुसार सिंचाई हो रही है। इससे उनकी खेती का दायरा बढ़ा है और वे अब रबी एवं खरीफदोनों फसलों का उत्पादन कर पा रहे हैं। सौर सुजला योजना ऐसे किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जिन्हें सिंचाई के लिए बिजली की उपलब्धता की समस्या का सामना करना पड़ता है। सोलर पंप के माध्यम से किसानों को सिंचाई का वैकल्पिक और सुविधाजनक साधन मिल रहा है। इसके अलावा हरण सिंह को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी मिल रहा है। सम्मान निधि से प्राप्त राशि खेती-किसानी से जुड़े आवश्यक खर्चों में उनके लिए आर्थिक सहारा बन रही है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर हरण सिंह अब अधिक सुविधाजनक तरीके से खेती कर रहे हैं। सौर सुजला योजना से मिली सिंचाई सुविधा ने उनकी खेती को बारिश की अनिश्चितता से बाहर निकालकर उत्पादन और आमदनी बढ़ाने की दिशा में नया आधार दिया है।

### आंगन मिलन सेवा में गूंजा सेवा का संकल्प, विधायक श्री धर्मजीत सिंह हुए शामिल, स्वयं परोसा बच्चों को भोजन



**बिलासपुर।** सेवा संकल्प अभियान के पूरे जिले में आंगन मिलन सेवा का आयोजन आज से किया जा रहा है। इसी क्रम में एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 07 में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों के सेवाभाव की सराहना की। विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन बच्चों के पोषण, मातृ स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मीना उपाध्याय, श्रीमती बिकुला मरकाम, श्रीमती कुंती कोरी, श्रीमती उर्मिला साहू तथा मितानिन श्रीमती गौतरहीन मेहर का सम्मान किया गया। सुपोषित बच्चों रुद्र नेति, आदिक पाणिक, तनिष्का वस्त्रकार, शिवांश ध्रुव एवं प्रियांशी पाटले की माताओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न्यौता भोज के साथ महिलाओं एवं बच्चों के लिए भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री सुरेश सिंह भी मौजूद थे। आंगनबाड़ी केंद्र सकरी-07 की कार्यकर्ता श्रीमती माधुरी कोरी को बच्चों के लिए खिलौने प्रदान किए गए।

**स्वच्छता ही सेवा अभियान : जनजागरूकता रैली से स्वच्छता का संदेश, 'नेकी की दीवार' से मानवता की पहल**

# जीरो वेस्ट खेल प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए किया गया प्रेरित

**बिलासपुर।** रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा (SHS)-2026 अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत स्वच्छता के साथ जनभागीदारी एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के सातवें एवं आठवें दिन 23 एवं 24 सितम्बर को मंडल के प्रमुख स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, स्वास्थ्य इकाइयों एवं रेलवे परिसरों में कचरे के उचित पृथक्कीकरण, फेर-वे सोर्स सेग्रीगेशन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचाव को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेलवे कॉलोनियों में जनजागरूकता रैली निकालकर घर-घर संपर्क किया गया तथा पंपलेट वितरित किए गए। इस दौरान हरे, नीले, लाल एवं काले डस्टबिन में अलग-अलग प्रकार के कचरे को रखने तथा उसके वैज्ञानिक प्रबंधन एवं



पुनर्चक्रण की जानकारी दी गई। गीले कचरे से घर पर कम्पोस्ट खाद तैयार करने के लिए भी प्रेरित किया गया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जूट एवं कपड़े के थैले वितरित किए गए। मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों एवं स्टॉल संचालकों को भी सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इसके उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा एनईआई स्पोर्ट्स क्लब में बच्चों के लिए जीरो वेस्ट खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से बच्चों में खेल मैदानों में स्वच्छता तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। 'नेकी की दीवार' से दिया मानवता और पुन: उपयोग का संदेश - स्वच्छता के साथ सामाजिक सहभागिता एवं मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिलासपुर एवं चांपा रेलवे स्टेशनों पर 'नेकी की दीवार' पहल आयोजित की गई। इसके माध्यम से ऐसी उपयोगी वस्तुएं जरूरतमंदों तक पहुंचाने का संदेश दिया गया, जो किसी व्यक्ति के लिए अनुपयोगी हो चुकी हैं, लेकिन किसी अन्य के लिए उपयोगी हो सकती हैं। इस पहल द्वारा यात्रियों एवं आमजनों से 'नेकी की दीवार' में सक्रिय सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों के लिए उपयोगी वस्तुएं साझा करने तथा आपसी सहयोग, संवेदनशीलता और मानवता की भावना को बढ़ावा देने की अपील की गई।

## मंडल में दिनकर जयंती एवं राजभाषा संगोष्ठी सम्पन्न हुआ

**बिलासपुर।** बिलासपुर मंडल में 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के कुशल नेतृत्व में इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 23 सितम्बर 2026 को मंडल सभाकक्ष में राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर जी की जयंती एवं राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा), श्री जमना शंकर मीना, प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक



अधिकारी श्री भास्कर गुह एवं विभिन्न विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे । कार्यक्रम के अध्यक्ष अपर मंडल रेल प्रबंधक ने दीप प्रवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । तत्पश्चात दिनकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया । उपस्थित कर्मचारियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए । रामधारी सिंह दिनकर की जीवनी एवं साहित्यिक उपलब्धियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया । श्रीमती सरस्वती साहू, कार्यालय सहायक ने दिनकर जी की कविता का काव्य पाठ किया एवं उपस्थित कर्मचारियों द्वारा दिनकर जी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन केवल महान कवि को स्मरण करते का नहीं है, बल्कि उनके साहित्य एवं विचारों और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेने का अवसर है । उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ें दिखाई देती है तो दूसरी ओर अन्याय, शोषण और असामनता के विरुद्ध आवाज भी सुनाई देती है ।

## सीजीआईटी बिलासपुर के छात्र आकाश बैद्य को राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय पुरस्कार

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.जी.आई.टी.) बिलासपुर (पूर्व नामङ्कशासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, बिलासपुर) के सूचना प्रौद्योगिकी संकाय के छात्र आकाश बैद्य का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) राज्य स्तरीय पुरस्कार 2025-26 के लिए हुआ है। उन्हें 24 सितंबर 2026 को रायपुर में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था की एन.एस.एस. इकाई के प्रभारी प्रो. मनेश मंडावी भी उपस्थित रहे। आकाश बैद्य पिछले चार वर्षों से एन.एस.एस. स्वयंसेवक के रूप में सामाजिक सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग (ङ्कक्चङ्घरुष्ठ) 2026



एवं युवा संगम चरण-6 जैसे दो राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रमों तथा राज्य स्तरीय शिविर 2025 एवं युवा आपदा मित्र जैसे दो राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में सहभागिता की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने महाविद्यालय में तीन सात दिवसीय विशेष शिविर एवं चार एक दिवसीय शिविरों में सेवा प्रदान की। उन्होंने चार वर्षों में 8 बार रक्तदान करने के साथ-साथ 335 से अधिक पौधों का रोपण कर सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इस उपलब्धि में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मनेश मंडावी एवं प्रो. इन्द्राणी बोरकर का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई ने आकाश बैद्य को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी निस्वार्थ सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति समर्पण और सक्रिय सहभागिता पूरे संस्थान के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि आकाश की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करेगी। प्राचार्य ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

## दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर विशेष पेयजल परीक्षण अभियान का सफल आयोजन किया

■ बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर की गई पेयजल गुणवत्ता की जांच




**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 सितंबर 2026 को बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष पेयजल परीक्षण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता के साथ-साथ पेयजल स्थलों एवं संबंधित व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया गया। यह अभियान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक श्री देवेश कुमार के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर पेयजल के 260 नमूने एकत्रित कर उनकी गुणवत्ता की जांच की गई। जांच में सभी नमूने निर्धारित ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी मॉनिटरिंग मानकों के अनुरूप पाए गए। पेयजल परीक्षण के साथ ही बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर पेयजल स्थलों की स्वच्छता, जल वितरण व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता तथा यात्रियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। चिकित्सा विभाग की टीम ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पेयजल की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाती है। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल यात्रियों की मूलभूत आवश्यकता है और इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी एवं परीक्षण किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी विशेष अभियानों का आयोजन किया जाता है। इन अभियानों के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता, पेयजल गुणवत्ता एवं यात्रियों से संबंधित सुविधाओं की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।

## साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता जरूरी

■ नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट सभागार में साइबर अपराध की पहचान, रोकथाम एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर विशेष सेमिनार आयोजित

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट, बिलासपुर में साइबर अपराध की पहचान, रोकथाम एवं सुरक्षा विषय पर विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर श्री रजनेश सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती पूनम चौधरी, सीएसपी श्री गगन कुमार, डीएसपी श्री सुदीप सरकार सहित रेलवे के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। सेमिनार में मुख्य वक्ता श्री रजनेश सिंह ने साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले तरीकों तथा साइबर ठगी की पहचान और उससे बचाव के उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्कता, जागरूकता और सावधानी ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से आगाह किया कि किसी भी संदिग्ध फोन कॉल, मैसेज, ई-मेल अथवा लिंक पर बिना सत्यापन के प्रतिक्रिया न दें। साथ ही किसी भी परिस्थिति में ओटीपी, पासवर्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड पिन, बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी अथवा अन्य संवेदनशील विवरण किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी। सीएसपी श्री गगन कुमार ने साइबर अपराध की घटना होने पर बिना देरी किए शिकायत दर्ज कराने एवं तत्काल कार्रवाई करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के मामलों में समय पर सूचना एवं शिकायत दर्ज कराने से आवश्यक कार्रवाई में मदद मिलती है। उन्होंने कर्मचारियों को डिजिटल लेन-देन एवं ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते समय सजग रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना संबंधित माध्यम को देने के लिए प्रेरित किया।

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का तीन दिवसीय क्षितिज शिविर विशाखापत्तनम में संपन्न

■ स्काउटर्स एवं गाइडर्स सम्मेलन में व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर हुआ मंथन

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (स्श्वष्टक्र) भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बिलासपुर जिला एसोसिएशन के तत्वावधान में स्काउटर्स एवं गाइडर्स के लिए तीन दिवसीय 'क्षितिज शिविर' का आयोजन विशाखापत्तनम में किया गया। 19 से 21 सितम्बर 2026 तक आयोजित इस सम्मेलन में बिलासपुर जिला एसोसिएशन के विभिन्न ग्रुप्स से 28 स्काउटर्स, गाइडर्स एवं स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। शिविर का मुख्य उद्देश्य बिलासपुर



जिले में स्काउटिंग एवं गाइडिंग की गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना तथा पदाधिकारियों एवं लीडर्स के कौशल एवं कार्यक्षमता का विकास करना था। सम्मेलन के दौरान स्काउटिंग एवं गाइडिंग के बुनियादी सिद्धांतों, संगठन की आगामी योजनाओं, व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन तथा संगठन के सुचारू संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। तीन दिवसीय शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनुभवों एवं विचारों का आदान-प्रदान किया। इन सत्रों के माध्यम से संगठन की जमीनी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, टीम भावना को मजबूत करने तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने पर विशेष जोर दिया गया। 'क्षितिज शिविर' ने स्काउटर्स एवं गाइडर्स के बीच नई ऊर्जा, उत्साह एवं सकारात्मक सोच का संचार किया। सम्मेलन में प्राप्त अनुभव एवं प्रशिक्षण भविष्य में स्काउटिंग एवं गाइडिंग की गतिविधियों को नई दिशा देने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। यह सम्मेलन श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बिलासपुर तथा श्रीमती नेहा सिंह, जिला आयुक्त (गाइड) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री दिनेश कुमार यादव, डीओसी (स्काउट), श्रीमती सुजाता सिंह, डीओसी (गाइड) एवं श्री संजय मेश्राम, जिला सचिव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

### पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म - इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

### शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

### क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

## इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगोत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

**प्रथम गौ बलि-** घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

**द्वितीय श्वान बलि-** पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

**तृतीय काक बलि-** कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

**चतुर्थ देवादि बलि-** पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

**पंचम पिपलिकादि बलि-** चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

# नमोऽस्तु पितृभ्यः

# पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

**सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।**

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

### मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

### ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

### पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

### इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

## 16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

**श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे है तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :**

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

# क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या है वे नियम-

### श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

### श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

## श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

### पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर :** श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर :** किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे :** पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र :** शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर :** समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला :** जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर :** पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में :** वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

### पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर :** किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि :** किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में :** किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर :** किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

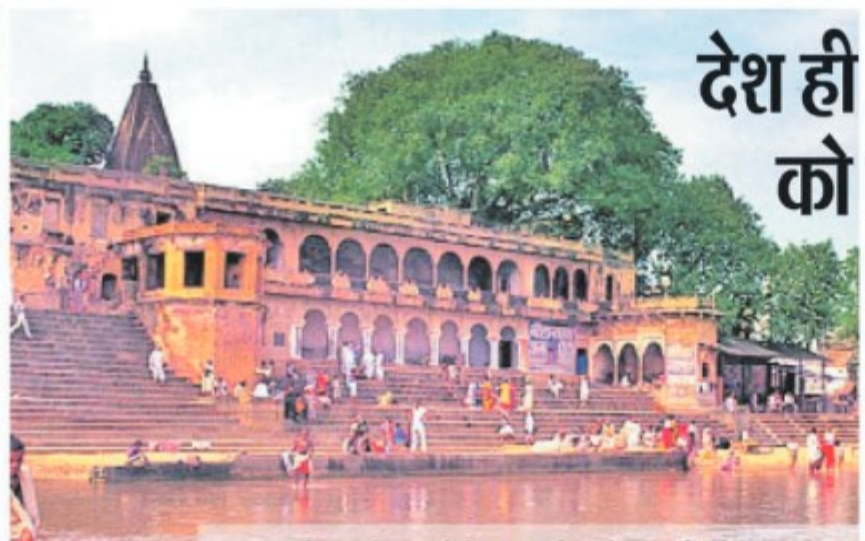

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

## देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान रखता है प्राचीन शहर गया

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थी जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अत: पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

# प्रियदर्शनी परिसर में अमानक निर्माण पर विधायक रिकेश सख्त, स्विमिंग पूल-स्केटिंग ग्राउंड की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश

**भिलाई नगर।** वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रियदर्शनी परिसर सुपेला में निर्माणाधीन स्विमिंग पूल एवं स्केटिंग ग्राउंड के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। मामले को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने दुर्ग कलेक्टर को पत्र लिखकर निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा भुगतान प्रक्रिया की तकनीकी एवं वित्तीय जांच के निर्देश दिए हैं। विधायक ने इस पूरे मामले को उप मुख्यमंत्री अरुण साव के संज्ञान में भी लाया है।

विधायक श्री सेन ने पत्र में उल्लेख किया है कि जनहित और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में स्वीकृत नियमों एवं तकनीकी मापदंडों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायत के अनुसार मौके पर कार्य की वास्तविक प्रगति और दस्तावेजों में दर्शाई गई प्रगति में भी अंतर होने की बात सामने आई है। साथ ही निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर भी गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं।

**भुगतान प्रक्रिया पर भी उठे सवाल-** पत्र में यह भी कहा गया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों के बावजूद संबंधित ठेकेदार को पहला बिल जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। विधायक ने भुगतान की पूरी प्रक्रिया की जांच कर यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि कहीं शासकीय राशि का नियम विरुद्ध भुगतान तो नहीं किया गया।

**स्वतंत्र कमेटी से जांच के निर्देश-** विधायक रिकेश सेन ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित करने, मौके पर चल रहे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच तथा अब तक जारी किए गए बिलों और भुगतानों का वित्तीय ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य से संबंधित आगामी भुगतानों पर रोक लगाने तथा जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं।

विधायक ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग से जुड़े ऐसे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। खिलाड़ियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और शासकीय राशि के उपयोग की पूरी जांच आवश्यक है।

# वृंदावन से भिलाई पहुंचे इंद्रेश उपाध्याय

## ताम्रध्वज साहू और अरुण वोरा ने किया अभिनंदन

**भिलाई।** भिलाई कैन डू पर्वत फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं आयोजक अतुल पर्वत के निज निवास पर श्रीधाम वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध भागवत कथा वाचक पूज्यनीय इंद्रेश उपाध्याय का भिलाई आगमन हुआ। इंद्रेश उपाध्याय जी वृंदावन के युवा भागवत कथा वाचक एवं भक्ति-पथ के संस्थापक हैं। वे श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री (ठाकुर जी) महाराज के पुत्र हैं और श्रीमद्भागवत कथा, भजन एवं आध्यात्मिक विषयों को सरल और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। इस अवसर पर पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा, मंजू वोरा के साथ पूज्य इंद्रेश उपाध्याय से भेंट की और उनका आशीर्वचन प्राप्त किया। इस दौरान रिसाली महापौर शशि सिन्हा एवं रामकली यादव, राजेश शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन भी उपस्थित रहे। अरुण वोरा ने पूज्य इंद्रेश उपाध्याय जी का भिलाई आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

# भिलाई-चरोदा नगर निगम चुनाव को लेकर हुई भाजपा की रणनीति बैठक

**भिलाई।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से मंगल भवन चरोदा में भिलाई-चरोदा क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी चुनाव की रणनीति और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय थे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बूथ स्तर की तैयारियों को मजबूत करने और घर-घर तक पहुंचने की रणनीति पर विशेष मार्गदर्शन दिया। चुनाव में विजय हासिल करने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्होंने हम जीतेंगे, हमन जीतबो का गूंजायमान नारा दिया जिससे पूरा मंगल भवन परिसर कार्यकर्ताओं के उत्साह और नारेबाजी से गूंज उठा। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, भिलाई भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, दुर्ग संभाग प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, दुर्ग जिला प्रभारी रामजी भारती, क्रेडा अध्यक्ष एवं संभाग चुनाव प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष व जिला चुनाव प्रभारी नीलू शर्मा, रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यप्रकाश राठौर तथा चुनाव सह. प्रभारी व प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मंडल प्रभारी बिजेंद्र सिंह व मनोज तिवारी, पूर्व पालिका अध्यक्ष शशिकांत बघेल, चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरीशंकर, भिलाई.3 मंडल अध्यक्ष वरुण यादव, निगम में नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, उपनेता प्रतिपक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय, मंडल महामंत्री पूर्णिमा ठाकुर, राजेश मौर्य, श्यामसुंदर जायसवाल व समीर अग्रवाल सहित भिलाई, चरोदा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

# सोमनी सीएचसी का कलेक्टर ने देखा हाल, डीजी सेट चालू कराने के दिए निर्देश

## विद्युत व्यवस्था बाधित होने पर स्वास्थ्य सेवा प्रभावित न होने की कही बात

**कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी का किया निरीक्षण**

**राजनांदगांव।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी का कलेक्टर जितेंद्र यादव ने निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मानव संसाधन, भवनों एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल डीजी सेट चालू कराने एवं इसके सुचारू संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। जनरेटर के लिए डीजल की उपलब्धता, संचालन एवं उपयोग का नियमित रिकॉर्ड संधारित करने तथा इसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक सुविधाओं को सौर ऊर्जा से जोड़ने की संभावनाओं पर भी कार्य करने कहा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध भवनों एवं कमरों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अनुपयोगी पड़े भवनों का बेहतर उपयोग किया जाए तथा आवश्यकतानुसार उनका उपयोग स्टोर, प्रशिक्षण, बैठक एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने एसडीएम को जीवन दीप समिति की बैठक शीघ्र आयोजित कर भवनों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से संबंधित आवश्यक प्रस्तावों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना एवं आपातकालीन स्थिति में स्वास्थ्य केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जा रही प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान ट्रेसिंग, ऑक्सीजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ब्लड की उपलब्धता एवं ब्लड बैंक की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली तथा आवश्यक प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी कराते हुए भविष्य में सुविधा विकसित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

### दो चिकित्सकों की नियुक्ति हुई

डीएमएफ (जिला खनिज न्यास निधि) मद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी में दो चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर ने चिकित्सकों की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध अन्य संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र की प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया और नियमित रूप से किए जाने वाले जांच परीक्षणों तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मरीजों को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए प्रयोगशाला की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिकॉर्ड एवं रजिस्टर का नियमित संधारण एवं अद्यतन करने के निर्देश दिए।

# नदी तट और विसर्जन कुण्ड की सफाई कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

## महापौर सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई मित्रों और नागरिकों ने किया श्रमदान

**राजनांदगांव।** सेवा मेरा योगदान के तहत स्वच्छता ही सेवा अभियान में आज मोहारा स्थित शिवनाथ नदी तट एवं विसर्जन कुण्ड के पास जनभागीदारी का उत्साहपूर्ण नजारा देखने को मिला। महापौर मधुसूदन यादव के नेतृत्व में आयोजित स्वच्छता अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने एक साथ श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। सभी ने मिलकर नदी तट एवं विसर्जन कुण्ड के आसपास साफ-सफाई की, झिल्ली-पन्नी एवं अन्य कचरा एकत्र किया तथा कटिली झाड़ियों की कटाई की। शिवनाथ नदी से पूजा सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट भी बाहर निकाला गया। अभियान में महापौर मधुसूदन यादव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, कोमल सिंह राजपूत, निगम आयुक्त जीआर मरकाम सहित पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों के साथ स्वयं श्रमदान किया। स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों के साथ जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों ने कचरा उठाकर यह संदेश दिया कि स्वच्छ शहर बनाने की जिम्मेदारी केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में शामिल पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने वार्डों के नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने और नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि और नागरिक मिलकर स्वच्छता के लिए आगे आते हैं, तो स्वच्छता अभियान जनआंदोलन का रूप लेता है। नागरिकों ने भी सार्वजनिक स्थानों, नदी-तालाबों और विसर्जन स्थलों को स्वच्छ रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने का संकल्प लिया।

### जनभागीदारी से ही मिलेगी स्थाई सफलता : मधुसूदन

महापौर यादव ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का मूल उद्देश्य स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ना है। 17 सितम्बर को शीतला मंदिर परिसर एवं रानी सागर-बूढ़ा सागर के आसपास स्वच्छता अभियान से शुरू हुई गतिविधियों के बाद लगातार विशिष्ट स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज शिवनाथ नदी तट एवं विसर्जन कुण्ड के पास नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ किया गया श्रमदान इसी जनभागीदारी की कड़ी है। उन्होंने कहा कि गणेश पर्व के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों एवं गणेश पंडालों के आसपास स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

### नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर : आयुक्त

निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत निगम द्वारा विशिष्ट स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें जनभागीदारी से तालाब सफाई, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की सफाई, प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रति जागरूकता, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, गणेश पंडाल एवं विसर्जन कुण्ड की सफाई तथा स्कूलों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि घर से ही कचरे का पृथक्करण कर स्वच्छता दीदियों को कचरा सौंपें और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं।

# रेलवे की हरी झंडी से खुला पुरानी चरोदा दादर रोड के निर्माण का रास्ता, 50 लाख से होगा कायाकल्प

**परसदा-कुम्हारी पहुंच मार्ग के जर्जर सड़क और अधूरे पुलिया को भी रेलवे से NOC मिलने की जगी उम्मीद**

**चरोदा-कुम्हारी।** नगर निगम भिलाई-3 चरोदा क्षेत्र अंतर्गत लंबे समय से बदहाल और जर्जर पड़ी बहुप्रतीक्षित पुरानी दादर रोड के नवनिर्माण का रास्ता अब साफ हो गया है। करीब 50 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण एवं डामरीकरण कार्य किया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य का विधिविधान से भूमिपूजन किया गया, जिसमें दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। लंबे इंतजार के बाद मिली राहत-पुरानी दादर रोड लंबे समय से जर्जर हालत में थी। सड़क की खराब स्थिति के कारण स्थानीय रहवासियों, वाहन चालकों और आसपास की कॉलोनियों के लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क निर्माण में रेलवे क्षेत्र से संबंधित अनुमति बड़ी अड़चन बनी हुई थी। अब रेलवे प्रशासन से आवश्यक NOC मिलने के बाद सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। परसदा से कुम्हारी पहुंच मार्ग को भी NOC की उम्मीद- चरोदा दादर रोड के लिए रेलवे की अनुमति मिलने के बाद अब क्षेत्रवासियों में परसदा से कुम्हारी पहुंच मार्ग को लेकर भी उम्मीद जगी है। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत परसदा से कुम्हारी टोल प्लाजा तक जर्जर सड़क और अधूरी पुलिया के निर्माण का लंबे समय से इंतजार है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि रेलवे से आवश्यक NOC मिलने के बाद इस मार्ग के निर्माण की बाधाएं भी दूर होंगी।

# संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए

**बलौदाबाजार।** कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत रायपुर के जोरा स्थित प्रतिष्ठा मांगलिक भवन में आयोजित तीन दिवसीय ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शिविर में बलौदाबाजार शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने सहभागिता की। रायपुर संभाग के विभिन्न ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को वार्ड, बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा कांग्रेस की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान संगठन संचालन, कार्यकर्ताओं की भूमिका, जनसंपर्क, सामाजिक समरसता, धर्मनिरपेक्षता तथा संगठनात्मक गतिविधियों को निरंतर सक्रिय रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन को मजबूत करने, भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के लिए कार्य करने का आह्वान किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका और उनकी सक्रिय भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान राजनीति में धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व तथा जनकल्याणकारी योजनाओं में होने वाले व्यय से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। इसी क्रम में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर विचार रखे। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में कांग्रेस सरकारों के योगदान की जानकारी दी। वहीं एआईसीसी से आए सौरभ वाजपेयी ने देश के निर्माण में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस के योगदान और उसकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण शिविर के दौरान संगठन को मजबूत बनाने के लिए वार्ड से लेकर बूथ स्तर तक नियमित संपर्क, सक्रिय कार्यकर्ता नेटवर्क, जनसमस्याओं को प्राथमिकता तथा जनता के बीच निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बलौदाबाजार शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्राप्त प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में मिली सीख को बलौदाबाजार शहर के प्रत्येक वार्ड और बूथ तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और मजबूत संगठन के माध्यम से ही जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है।

प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रवीण सेन ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन को मजबूत करने के लिए मिली जिम्मेदारी को जमीन पर उतारना ही इसकी वास्तविक सफलता होगी।

# उच्च शिक्षा विभाग ने सेवानिवृत्त शिक्षकों को पहले से मिल रही पेंशन से भी किया वंचित

**भिलाई।** अनुदानित शिक्षक संघ, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई ने छत्तीसगढ़ के शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन बंद किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। संघ के अध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा और सचिव डॉ. अनुराग पांडेय ने कहा है कि उच्च शिक्षा विभाग ने मंत्रिपरिषद के निर्णय की गलत और मनमानी व्याख्या करते हुए सैकड़ों सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पहले से प्राप्त पेंशन से भी वंचित कर दिया है।

मंत्रिपरिषद के कार्यसूची-विवरण में उच्च शिक्षा विभाग का प्रस्ताव स्पष्ट रूप से यह था कि शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के पेंशनरों को जिस वेतनमान से वे सेवानिवृत्त हुए हैं, उसी वेतनमान के अनुरूप पेंशन एवं उपदान प्रदान किया जाए। मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव को 'नियमों में प्रावधान तथा लोकहित में न होने के कारण' अमान्य किया तथा सर्वोच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में उचित विधिक पैरवी करने का परामर्श दिया। इस निर्णय का सीधा और स्वाभाविक अर्थ केवल इतना है कि संबंधित प्रस्ताव के अनुसार संशोधित अथवा अंतिम वेतनमान के आधार पर पेंशन देने की नई व्यवस्था को स्वीकृति नहीं दी गई। मंत्रिपरिषद के निर्णय में कहीं भी पहले से स्वीकृत और वर्षों से दी जा रही पेंशन को बंद करने का निर्देश नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com